कोटद्वार, सोमवार
9 जुलाई 2024
वर्षः 46
अंकः 75 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

ऋषिनगरी में उफान पर रही गंगा

ऋषिकेश। पहाड़ी इलाकों में बारिश से सोमवार को भी गंगा उफान पर रही है। सुबह से लेकर शाम तक गंगा चेतावनी रेखा से महज एक मीटर नीचे बही। गंगा का जलस्तर बढ़ने पर त्रिवेणीघाट समेत आसपास के गंगाघाटों पर श्रद्धालुओं को स्नान के दौरान एसडीआरएफ और जल पुलिस जवानों ने सावधानी बरतने की सलाह दी। इस दौरान लोगों को गंगा तटों से दूर रहने के लिए अलर्ट भी किया। सोमवार को गंगा के तटीय इलाकों पर बसे लोगों को नगर निगम और पुलिस टीम मुनादी के माध्यम से चेतावनी जारी करती नजर आई। केंद्रीय जल आयोग के अवर अभियंता विभांशु त्रिपाठी ने बताया कि गंगा का चेतावनी निशान 339.50 मीटर है। जबकि, सोमवार सुबह जल स्तर 338.30 मीटर रहा, जोकि शाम को घटकर 338.05 पर आ गया। बताया कि जलस्तर को लेकर प्रशासन और संबंधित महकमों को पल–पल की अपडेट दी जा रही है। उधर, एसडीएम कुमकुम जोशी ने बताया कि मानूसन को देखते हुए प्रशासन हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के आसपास बसे लोगों को भी समय–समय पर चेतावनी जारी की जा रही है।

देहरादून में पानी में डूबी सड़कें, जगह–जगह फंसा ट्रैफिक

देहरादून। देहरादून में सोमवार दोपहर बारिश से सड़कें पानी में डूब गई। कई जगह ट्रैफिक फंस गया। घरों और दुकानों में भी पानी घुसने की शिकायतें आपदा कंट्रोल रूम को मिली हैं। वहीं, दून अस्पताल में पानी घुसने से लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। देहरादून में सुबह के समय मौसम खुला हुआ था, बाद में धूप भी खिल आई थी, लेकिन दोपहर साढ़े 12 बजे से हो रही बारिश के बीच जनजीवन अस्तव्यस्त हो गई। सड़कों पर जगह–जगह पानी भर गया। सबसे जयादा आफत हरिद्वार रोड पर रिस्पना पुल के पास आई। यहां पानी इस कदर भर गया कि दोनों तरफ ट्रैफिक फंस गया। लोग यहां से पैदल तक नहीं निकल पाए। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को झेलनी पड़ी। स्कूल की छुट्टी के बाद तो यहां स्थिति काबू से बाहर हो गई। इसके अलावा घंटाघर, दर्शनलाल चौक, धर्मपुर, आराघर, रायपुर रोड में भी कई स्थानों पर पानी भरने से लोगों को दिक्कत झेलनी पड़ी। जलभराव की सूचना के बाद नगर निगम, पीडब्ल्यूडी के साथ ही अन्य विभागों की टीमें जलभराव खत्म करने के लिए रवाना हो गई हैं।

मसूरी में कार खाई में गिरी, दो को बचाया

देहरादून। मसूरी में एक कार खाई में गिरने से दो युवक घायल हो गए। घायलों में एक को सोमवार को सिविल अस्पताल मसूरी से छुट्टी दे दी गई। कोतवाली मसूरी के पुलिस निरीक्षक अरविंद चौधरी ने बताया कि रविवार शाम को पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर कार के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली थी। बताया कि गज्जी बैंड के आगे कार करीब 10 मीटर खाई में जा गिरी। हादसा हाथीपांव वाली रोड पर हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने आपदा बचाव उपकरणों की मदद से घायलों को कार से बाहर निकाला। दोनों को मसूरी सिविल अस्पताल ले जाया गया। दोनों युवक रजत निवासी ज्वालापुर, हरिद्वार और विकास ठाकुर निवासी विकास कॉलोनी हरिद्वार के रहने वाले हैं।

जुलाई में अच्छी बारिश होने से बुवाई की स्थिति पिछले साल से बेहतर : रिपोर्ट

नई दिल्ली , पूरे देश में जुलाई की शुरुआत में अच्छी बारिश हो रही है जो कि नॉर्मल मानसून का संकेत है। केवल जुलाई में दीर्घकालीन औसत से 32 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में ये बात कही गई है।एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर और पश्चिम भारत (3 प्रतिशत), मध्य भारत (–6 प्रतिशत), पूर्व और उत्तर पूर्व भारत (0 प्रतिशत) और दक्षिणी प्रायद्वीप (13 प्रतिशत) में अब तक सामान्य बारिश हुई है। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की प्रमुख अर्थशास्त्री माधवी अरोड़ा ने कहा, जून में कम बारिश होने के कारण, जरूरी है कि जुलाई में अच्छी बारिश हो और महीने की शुरुआत अच्छी रही। हालांकि बुवाई में देरी हुई, लेकिन अब बारिश होने से इसमें तेजी आई है और यह पिछले साल से बेहतर है। रिपोर्ट में कहा गया है, 28 जून तक कुल बुवाई क्षेत्र (24.1 मिलियन हेक्टेयर) पिछले साल की तुलना में काफी अधिक (सालाना आधार पर 33 प्रतिशत) है।

सुप्रीम कोर्ट से ममता सरकार को बड़ा झटका

संदेशखाली हिंसा की सीबीआई जांच पर नहीं लगाई रोक

नई दिल्ली ,संदेशखाली मामले में पश्चिम बंगाल सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सीबीआई जांच के खिलाफ दायर याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। संदेशखाली में जमीन हड़पने और जबरन वसूली के मामलों की कोर्ट की निगरानी में ही सीबीआई (केंद्रीय जांच ब्यूरो) जांच जारी रहेगी। दरअसल, ममता सरकार ने कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। हाईकोर्ट ने संदेशखाली मामले में सीबीआई जांच के आदेश दिए थे।

सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि राशन घोटाले में 43 एफआईआर दर्ज की गई है। राजनीतिक वजहों से इसे बढ़ा–चढाकर बताया जा रहा है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार से पूछा कि राज्य सरकार को इस मामले में इतनी दिलचस्पी क्यों है? किसी व्यक्ति को बचाने की कोशिश क्यों की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट के सवाल पर पश्चिम बंगाल सरकार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी जाए। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि धन्यवाद, याचिका खारिज। राज्य सरकार के रुख को स्पष्ट करते हुए, वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता ने कहा कि हाई कोर्ट के आदेश में कुछ अनुचित टिप्पणियों के खिलाफ दायर की गई थी। इस पर शीर्ष अदालत ने कहा, आपको अगर ऐसा लगता है तो तो आप हाई कोर्ट में जाकर उन टिप्पणियों को हटाने के लिए कह सकते हैं।

इससे पहले 29 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार से सवाल किया था कि संदेशखाली मामले में राज्य सरकार ने जमीन कब्जाने और महिलाओं के साथ हुए यौन शोषण के आरोपों की सीबीआई जांच वाले निर्देश को चुनौती क्यों दी? बंगाल सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया था कि हाईकोर्ट के आदेश से पुलिस बल समेत राज्य के तंत्र का मनोबल कमजोर हुआ है।

देहरादून में चकराता की महिला ने दिया तीन बच्चों को जन्म

देहरादून। श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल में एक महिला ने एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया है। चकराता क्षेत्र की डोंडा गांव निवासी महिला ने सिजेरियन डिलीवरी के द्वारा तीनों स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया है। तीन बच्चों को एक साथ जन्म देने का चकराता क्षेत्र में यह पहला मामला बताया गया है। अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रेरक मित्तल ने माता पिता व परिवारजनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। बताया कि स्त्री एवं प्रसूती रोग विभाग में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। नवजात बच्चों के पिता सशस्त्र सीमा बल में हवलदार के पद पर तैनात हैं। जैसे ही उन्हें अपनी पत्नी के सुरक्षित प्रसव की सूचना मिली तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वे तुरन्त छुट्टी लेकर अस्पताल पहुंचे। महिला गांव में ही रहती हैं। शुक्रवार को उन्हें प्रसव पीडा हुई। परिजनों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल के कुशल डॉक्टरों ने सफल सिजेरियन डिलीवरी करवाई। इसके बाद महिला ने तीन बच्चों को जन्म दिया, इसमें एक बच्चा एवं दो बच्चियां शामिल है। महिला की यह पहली डिलीवरी है।

हेमंत सोरेन सरकार ने जीता विश्वास मत, 76 में से 45 मत मिले, विपक्ष ने किया बहिष्कार

रांची ,झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने सोमवार को विधानसभा के एकदिवसीय विशेष सत्र में हंगामे के बीच विश्वास मत हासिल कर लिया। मौजूदा विधानसभा में मौजूद 76 सदस्यों में से 45 ने सरकार के पक्ष में मतदान किया। विधानसभा के मौजूदा स्ट्रेंथ के हिसाब से बहुमत के लिए न्यूनतम 39 मतों की जरूरत थी। भाजपा और आजसू के विधायकों ने वोटिंग के दौरान सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए सदन का बहिष्कार किया। सीएम हेमंत सोरेन ने सुबह 11 बजकर 10 मिनट पर विश्वास प्रस्ताव पेश किया। इस पर वाद–विवाद के बाद अपराह्न 12 बजकर 20 मिनट पर वोटिंग कराई गई। हेमंत सोरेन ने विश्वास मत पर बहस का जवाब देते हुए कहा कि मेरे सदन में फिर से सीएम के रूप में आने से विपक्ष के पेट में दर्द हो रहा है। ये लोग जिस तरह का आचरण सदन में कर रहे हैं, उससे उनकी हताशा सामने आई है। चुनाव के बाद इनके आधे से ज्यादा विधायक दुबारा सदन में नहीं आएंगे। प्रस्ताव पर बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने सीएम हेमंत सोरेन और उनकी सरकार पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा कि यह दो महीने की सरकार घोटालों के साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से बनी है। नेता प्रतिपक्ष ने इसे ठगबंधन सरकार करार देते हुए कहा कि इसने राज्य की जनता, युवाओं, किसानों, छात्रों, आदिवासियों, दलितों को धोखा दिया है। अमर कुमार बाउरी ने कहा कि 2019 में हेमंत सोरेन ने सरकार बनाने के पहले युवाओं को प्रतिवर्ष पांच लाख लोगों को नौकरी देने का वादा किया था, लेकिन कुछ हजार नौकरियां भी नहीं दे पाईं। यह चौथा मौका है, जब हेमंत सोरेन बतौर सीएम झारखंड विधानसभा में विश्वास मत परीक्षण में सफल हुए हैं। सबसे पहली बार 2013 में सीएम बनने के बाद वह फ्लोर टेस्ट में सफल हुए थे। दूसरी बार वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में झामुमो–कांग्रेस–राजद गठबंधन की जीत के बाद सीएम बने थे और विधानसभा में विश्वास मत जीता था। तीसरी बार उन्होंने पत्थर खदान लीज विवाद में सरकार को राज्यपाल द्वारा बर्खास्त किए जाने की आशंका को देखते हुए 5 सितंबर, 2022 को एक दिन का विशेष सत्र बुलाकर विश्वास मत साबित किया था।

टीएमसी सांसद मोइत्रा की मुश्किलें बढ़ीं

● नए आपराधिक कानूनों के तहत एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली ,तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा की एक बार फिर से मुश्किलें बढ़ गई हैं। हाथरस कांड के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा के खिलाफ किए गए एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर महुआ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। नए आपराधिक कानून के तहत महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने को लेकर मामला दर्ज हुआ है। यूपी के हाथरस में पिछले दिनों ह्यभोले बाबाह्न के सत्संग में भगदड़ मच गई थी, जिसके बाद 121 लोगों की जान चली गई। इस हादसे के बाद महिला आयोग प्रमुख रेखा शर्मा घटनास्थल पर पहुंची थीं। सामने आए वीडियो में रेखा शर्मा के लिए किसी और ने बारिश से बचाने के लिए छाता पकड़ा हुआ था। इस पर महुआ मोइत्रा ने एक्स पर लिखा था कि वह अपने बॉस का पजामा संभालने में बहुत व्यस्त हैं। हालांकि, विवाद बढने के बाद महुआ ने अपने पोस्ट को हटा लिया है। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने अपनी अध्यक्ष रेखा शर्मा के विरुद्ध तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा की आपत्तिजनक टिप्पणी पर स्वतः संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफ पुलिस से प्राथमिकी दर्ज करने के लिए कहा था। एनसीडब्ल्यू ने ह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट में कहा, अभद्र टिप्पणी अपमानजनक है और यह गरिमा के साथ रहने के एक महिला के अधिकार का उल्लंघन है। आयोग ने पाया कि यह टिप्पणी भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 79 के अंतर्गत आती है।

अमरनाथ यात्रा : नौ दिन में 1.82 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू , कश्मीर में पिछले नौ दिनों में 1.82 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने अमरनाथ की पवित्र गुफा के दर्शन किए हैं। सोमवार को 5,803 श्रद्धालुओं का एक और जत्था कश्मीर के लिए रवाना हुआ। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया, आज 5,803 यात्रियों का एक और जत्था जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से दो सुरक्षा काफिलों में घाटी के लिए रवाना हुआ। 88 वाहनों का पहला सुरक्षा काफिला 1862 यात्रियों को लेकर सुबह 3.10 बजे उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ, जबकि 3941 यात्रियों का दूसरा जत्था 130 वाहनों के दूसरे काफिले में सुबह 4 बजे दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। मौसम विभाग ने दोनों यात्रा मार्गों पर आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दिन में रुक–रुक कर हल्की बारिश की संभावना जताई है। श्रद्धालु या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग से यात्रा करते हैं या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर ह्यदर्शनह्न करने के बाद उसी दिन आधार शिविर लौट आते हैं। दोनों मार्गों पर और पारगमन शिविरों ताथ गुफा मंदिर में 124 से अधिक लंगर (सामुदायिक रसोई) बनाये गए हैं। इस साल की यात्रा के दौरान 7 हजार से ज्यादा सेवादार यात्रियों की सेवा कर रहे हैं। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने की मण्डल मुख्यालय पौड़ी में विकास कार्यों की समीक्षा

● मुख्यमंत्री द्वारा 133 करोड़ 14 लाख रुपए की 158 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया ● नो पेंडेंसी के सिद्धांत के आधार पर कार्य करें अधिकारी : मुख्यमंत्री

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को गढ़वाल मण्डल मुख्यालय पौडी में विकास कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 133 करोड़ की 158 योजनाओं का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया, जिसमें 80 करोड़ की 137 योजनाओं का लोकार्पण तथा 53 करोड़ की 21 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

मुख्यमंत्री ने समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि योजनाओं का त्रिम्यान्वयन नो पेंडेंसी के सिद्धांत के आधार पर किया जाए। उन्होंने पौड़ी के पुराने वैभव को बनाए रखने के लिए सभी विभागों से कार्य योजना तैयार करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पौड़ी में प्रतियोगी परीक्षाओं और सेना में जाने की तैयारी करने वाले युवओं के लिए हॉस्टल का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जनहित से जुड़े कार्य मात्र औपचारिक ना हो बल्कि उसका ठोस आउटकम भी निकले। मुख्यमंत्री ने सभी सरकारी भवनों की छत पर सोलर पैनल और रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाने के भी निर्देश दिये। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने विकासखंड कार्यालय पौड़ी के समीप 21 लाख की सहायता से बने पहाड़ी अंजीर(बेडू) प्रसंकरण इकाई का लोकार्पण किया। जिसका संचालन उमंग स्वायत्त सहकारिता पौड़ी द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने इकाई में बेडू से बनाये जा रहे उत्पादों का जायजा लिया तथा इस तरह के अनूठे प्रयास की सराहना की।

भारी वर्षा के कारण अब तक 387 सड़के बंद, 62 को खोल दिया गया : महाराज

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : प्रदेश में भारी वर्षा के कारण अब तक 387 सड़के बंद हैं जिनमें से 62 सड़कें खोल दी गई है। गढ़वाल मंडल के अंतर्गत सभी जनपदों में बारिश के कारण नदियों का जल स्तर बड़ा है लेकिन फिलहाल कोई खतरे की बात नहीं है। जबकि कुमायूं में सिंचाई खण्ड अल्मोड़ा के अन्तर्गत विगत चार दिनों से भारी बारिश होने के कारण कोसी, पनार, जैगन आदि नदियों व स्थानीय गाढ, गधेरे अपने उफान पर बह रहे हैं।

प्रदेश के लोक निर्माण एवं सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में भारी बारिश के कारण सड़कों पर मलवा आने से नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे, मेजर डिस्टिक रोड, विलेज रोड, पीएमजीएसवाई और अन्य जिला मार्गों सहित बंद कुल 325 सड़कों को खोलने के लिए कर्मचारी एवं अधिकारियों के साथ-साथ 279 मशीनें लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि 03 नेशनल हाईवे में से 02 को खोल दिया गया है। इसके अलावा 14 स्टेट हाईवे में से 8 स्टेट हाईवे भी खोल दिए गए हैं। लोक निर्माण मंत्री श्री महाराज ने बताया कि अल्मोड़ा के रानीखेत मोहान में 27 मीटर सेतु जो ब्रिटिश काल का था वह क्षतिग्रस्त हो गया है। वहां पर वैली ब्रिज की वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। इसी प्रकार जनपद चंपावत में नदिया नदी पर 70 मीटर स्पान पुल बह गया है वहां पर कनेक्टिविटी की व्यवस्था कर दी गई है। सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि सिंचाई विभाग गढ़वाल मण्डल के अन्तर्गत सभी सातों जनपदों में वर्षा से नदियों का जल स्तर तो बढ़ा है, लेकिन फिलहाल कोई खतरा नहीं है।

जबकि सिंचाई खण्ड अल्मोड़ा के अन्तर्गत विगत चार दिनों से भारी बारिश होने के कारण कोसी, पनार, जैगन आदि नदियों व स्थानीय गाढ, गधेरे अपने उफान पर बह रहे हैं।

जनपद अल्मोडा में भारी बरसात के कारण पचास नहरों को क्षति पहुंचने के साथ-साथ जनपद पिथौरागढ़ में 90 मीटर सुरक्षा दीवार को क्षति हुई है। जिसकी लागत लगभग 135 लाख है। इसके अलावा जनपद चम्पावत में 29 नहरें जिनकी लागत 58 लाख है और 18 बाढ़ योजनायें क्षतिग्रस्त हुई हैं।

गुलदार ने 18 बकरियों को मौत के घाट उतारा

चम्पावत। बाराकोट के रैघांव में गुलदार के आतंक से काश्तकारों की आर्थिकी को बड़ा नुकसान हुआ है। गुलदार ने दो दिनों में बाड़े में घुसकर 18 बकरियों को मौत के घाट उतार दिया।ग्राम प्रधान नेहा अधिकारी और धन सिंह अधिकारी ने बताया कि रविवार की रात को गुलदार ने रैघांव के त्रिलोक सिंह पुत्र मानसिंह के घर के पास में बने बाड़े में घुस गया। गुलदार ने एक के बाद एक 12 बकरियों को मौत के घाट उतार दिया। ग्रामीणों ने बताया कि इससे पूर्व शनिवार की रात को भी गुलदार ने प्रताप सिंह पुत्र मान सिंह की छह बकरियों को मारा था। ग्रामीण दिनेश सिंह, प्रकाश सिंह, महेश सिंह ने विभाग से पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने और पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने की मांग की है। काली कुमाऊं वन क्षेत्र के रेंजर राजेश कुमार जोशी ने बताया कि घटना के बाद वन विभाग की टीम ने मौके में पहुंचकर मुआयना किया। मुआवजे की प्रक्रिया की जा रही है।

तेज बारिश से उफनाई बिंदाल में बह गई किशोरी

देहरादून। बिंदाल नदी किनारे बस्ती में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी तेज बारिश के दौरान सोमवार को नदी में बह गई। घटना लालपुल के नजदीक सत्तोवाली घाटी की है। सूचना मिलने पर पुलिस, फायर और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची।

देर शाम तक लालपुल के पास से लेकर मोथरोवाला तक सर्च अभियान चलाया गया। पुलिस मुताबिक हादस उस वक्त जब किशोरी बारिश में नहा रही थी। सोमवार दोपहर करीब एक बजे तेज बारिश शुरू हुई। सीओ सदर अनिल जोशी के मुताबिक बारिश में सत्तोवाली घाटी निवासी फिजा घर पास नहा रही थी। इनका घर बिंदाल नदी से लगे पुश्ते पर है। बारिश में नहाते हुए फिजा दोपहर करीब पौने दो बजे घर के बाहर नदी किनारे आई। इस दौरान उसने आसपास ध्यान से नहीं देखा। अचानक उसका पैर फिसला और बिंदाल नदी में जा गिरी। इस बीच बिंदाल नदी बारिश के चलते उफान पर थी। गिरने पर उसने एक पेड़ को पकड़ने का प्रयास किया। पकड़ मजबूत नहीं बन पाने के चलते वह तेज पानी में डूबते हुए बहती चली गई। आसपास के लोग उसे देखते हुए बचाने के प्रयास में नदी किनारे लालपुल तक दौड़े।

वहां पहुंचकर फिजा पानी दिखाई देना बंद हो गई। सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई। सूचना पर पटेलनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड टीम को बुलाकर रेस्क्यू शुरू किया। करीब एक किलोमीटर के दायरे में कुछ पता नहीं लगा। इसके बाद एसडीआरएफ टीम को रेस्क्यू के लिए बुलाया गया।

टिहरी को ब्रांड टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में किया जाए विकसितः रतूड़ी

● मुख्य सचिव ने स्थानीय लोगों के सुझावों के साथ टिहरी झील प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के दिए निर्देश ● पलायन को समाप्त करते हुए स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाला साबित होगा टिहरी झील प्रोजेक्ट

देहरादून। टिहरी झील प्रोजेक्ट को लेकर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में हुई हाई पॉवर कमेटी की बैठक में टिहरी झील को एक ब्रांड टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि स्थानीय लोगों के सुझावों के साथ टिहरी झील प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाया जाए। इस तरह का खाका खींचा जाए कि ये प्रोजेक्ट पलायन की समस्या के समाधान के साथ स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाला साबित हो।

सचिवालय में हुई बैठक में मुख्य सचिव ने टिहरी झील और इसके कैचमेंट क्षेत्र का विकास एशियन डेवलपमेंट बैंक की गाइड लाइन्स के अनुसार किए जाने के निर्देश दिए।

कहा कि तैयार डीपीआर के अनुसार काम किया जाए। प्रोजेक्ट में सभी स्टेकहोल्डर्स, विशेषकर स्थानीय ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए उनके सुझाव लिए जाएं। पर्यटन विकास के सभी प्रोजेक्ट में पर्यावरणीय हितों का विशेष ध्यान रखा जाए। खासतौर पर पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन विकास की गतिविधियों में सोलिड वेस्ट मेनेजमेंट को शीर्ष प्राथमिकता दी जाए। कहा कि पूरे प्रोजेक्ट में टिहरी शहर के ऐतिहासिक महत्व को दोबारा स्थापित किया जाए। पर्यटन की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित होम स्टे में भी बेहतर कूड़ा प्रबन्धन किया जाए। पर्यटन और इकोलॉजी में संतुलन रखने की नीति का पालन करते हुए सभी टूरिज्म प्रोजेक्ट पर काम किया जाए। बैठक में सचिव आवास आर मीनाक्षी सुन्दरम, सचिव पर्यटन सचिन कुर्वे, सचिव वित्त दिलीप जावलकर, सचिव लोनिवि पंकज कुमार पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

1294 करोड़ से संवरेगी टिहरी झील

टिहरी झील और उसके आस पास के क्षेत्र का विकास 1294 करोड़ रूपये से सुनिश्चित होगा। एडीबी से मिलने वाले बजट से टिहरी झील के आस पास आधारभूत ढांचा विकसित किया जाएगा। टिहरी लेक प्रोजेक्ट के तहत 52 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लगभग 103 गांवों की लगभग 96875 आबादी को इसका लाभ पहुंचेगा। डोबरा चांठी, तिवाड़ गांव, कोटी कॉलोनी, न्यू टिहरी, मदन नेगी और झील कलस्टर में विभिन्न पर्यटन सुविधाओं को विकसित किया जाएगा।

स्थानीय लोगों की आर्थिकी बढ़ाने वाला हो प्रोजेक्ट

मुख्य सचिव ने कहा कि पर्यटन के विकास से जुड़े सभी प्रोजेक्ट का इस आधार पर मूल्यांकन किया जाए कि इससे कितने स्थानीय लोगों को लाभ मिल रहा है। योजना से कितना रोजगार, विकास हो रहा है। पूरे क्षेत्र में रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म को प्रोत्साहित किया जाए। स्थानीय लोगों की आजीविका के अवसर को बढ़ाया जाए। क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों को कम से कम तीन दिन तक यहां रहने को प्रोत्साहित किया जाए।

संपादकीय

निशाने पर सुरक्षा बल

शांति और विकास की पटरी पर लौट रही घाटी में आतंकवादियों ने एक बार और हिंसक वारदात को अंजाम दिया है जिसके तहत सेना के वाहन पर घात लगाकर हमला कर दिया, जिसमें 4 जवान शहीद हो गए, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हैं। घात लगाकर आतंकवादियों ने कठुआ के मचेड़ी इलाके में भारतीय सेना के वाहन पर हमला बोला और वहां से फरार हो गए। घाटी में एक के बाद एक हो रहे सुरक्षा बलों पर हमले से भारत की चिंता बढ़ गई है हालांकि इससे पूर्व के हमले में भी सुरक्षा बलों ने एक-एक आतंकवादी को मार गिराया लेकिन ऐसे हमले खुद में ही देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा साबित हो रहे हैं। भारत सरकार ने जम्मू कश्मीर में शांति बहाल करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास किए हैं जिसका असर भी देखने को मिला है। प्रभावी तौर पर आतंकवाद की घटनाएं कम हुई है लेकिन शायद यही कारण है कि घाटी में अपना प्रभाव कम होते देख पाकिस्तान में पल रहे आतंकी संगठन इसे पचा नहीं पचा रहे हैं। वही पाकिस्तान के लिए भी इन आतंकवादियों को भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों बिना पालना पसंद नहीं है लिहाज़ा आतंकी संगठन हर हाल में अब घाटी में शांति फैलाने के प्रयासों में लगे हुए हैं। स्पष्ट है कि अवैध घुसपैठ से आतंकवादी हमारे देश में प्रवेश कर रहे हैं इसलिए सीमा की सुरक्षा में अभी और अधिक चौकसी व अभेद्य किले जैसी व्यवस्था बनाने की जरूरत है। सुरक्षा बलों ने पिछले कुछ वर्षों में अवैध घुसपैठ पर भी रोक लगाई है और कई आतंकवादियों को अवैध घुसपैठ करते हुए या तो मार गिराया या फिर वापस खदेड़ दिया। पिछले कुछ वर्षों में कश्मीर घाटी काफी तेजी के साथ देश की विकास धारा से जुड़ी है और यहां पर्यटन के साथ ही आम जीवन भी सामान्य हुआ है। कश्मीर के लोगों को भी इस बात का आभास है कि उनका विकास और सुरक्षा हिंदुस्तान के साथ है ना की मौकापरस्त आतंकवादी समर्थक देश पाकिस्तान के। बड़े पैमाने पर कश्मीर के युवा रोजगार के साधनों से जुड़ रहे हैं जिसमें फौज एवं पुलिस भी युवाओं की पसंद बनी है। पाकिस्तान और उसकी धरती पर पड़ने वाले आतंकवादी कश्मीर की कश्मीर की इसी संवरती हुई सूरत को देख नहीं पा रहे हैं और वह एक बार फिर वही पुराना आतंकी खौफ घाटी में पैदा करना चाहते हैं जिसमें कभी शाम ढलते ही घाटी की सड़के सूनी हो जाया करती थी। आज पुनः कश्मीर में पर्यटन की संभावनाएं जगी है तो वह सरकार की सख्त नीति एवं सुरक्षा बलों के हौसले और कार्रवाई के कारण ही संभव हुआ है। इस सबके बावजूद सुरक्षा बलों को खास टारगेट कर जिस तरह से हमले किए जा रहे हैं वह यह बताने के लिए काफी है कि आतंकवादी घाटी के लोगों में खौफ पैदा करना चाहते हैं ताकि वह भय के माहौल में रहें और आतंकियों के खौफ से डरें। भारतीय सेना देश की शान है, चार जवानों की शहादत यह देश कभी नहीं भूल पाएगा और इन इस हरकत का जवाब भी बेहद समाचारों की सुर्खियों में देखने को मिलेगा।

किस्म-किस्म के बाबाओं ने राष्ट्र के मुख पर कालिख पोता

प्रियंका सौरभ

आजकल विभिन्न सामाजिक वगरे में अलग-अलग किस्म के अंधविश्वास प्रचलित है। इतने जागरूकता अभियानों के बावजूद आज भी आपको गांव-कस्बों में भूत-प्रेत के किस्से सुनने को मिल जाएंगे। वहीं हायर क्लास के अंधविश्वास अलग हैं। इस क्लास में भी असुरक्षा की भावना कम नहीं है। इस वर्ग के लोग यूं तो अत्याधुनिक होने का दावा करते हैं, लेकिन इसके बावजूद एयरकंडिशंड आश्रमों वाले गुरु ओं के यहां लाखों का चढ़ावा चढ़ाने से लेकर अपनी सफलता/असफलता की वजह लकी चार्म को मानने से भी गुरेज नहीं करते। ऐसी मान्यताएं भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के सभी देशों में पाई जाती हैं।

पिछले कुछ दशकों से उभरने वाले किस्म-किस्म के बाबाओं ने राष्ट्र के मुख पर कालिख पोतने का काम किया है। अपनी अनुयायी स्त्रियों के शारीरिक शोषण, हत्या-अपहरण से लेकर अन्य जघन्य अपराध करने वाले बाबाओं का प्रभाव इस कदर बढ़ता जा रहा है कि आज जनता को तो छोड़िए, सदिच्छाओं वाले राजनेता, अभिनेता, अधिकारी, बुद्धिजीवी इत्यादि वर्ग भी उनसे घबराने लगा है। आखिर, इन बाबाओं के महाजाल का समाजशास्त्र क्या है? इसी तरह सवाल यह भी है कि इनके पीछे जनता के भागने का क्या अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान है?

आजकल विभिन्न सामाजिक वगरे में अलग-अलग किस्म के अंधविश्वास प्रचलित हैं। इतने जागरूकता अभियानों के बावजूद आज भी आपको गांव-कस्बों में भूत-प्रेत के किस्से सुनने को मिल जाएंगे। वहीं हायर क्लास के अंधविश्वास अलग हैं। इस क्लास में भी असुरक्षा की भावना कम नहीं है। इस वर्ग के लोग यूं तो अत्याधुनिक होने का दावा करते हैं, लेकिन इसके बावजूद एयरकंडिशंड आश्रमों वाले गुरु ओं के यहां लाखों का चढ़ावा चढ़ाने से लेकर अपनी सफलता/असफलता की वजह लकी चार्म को मानने से भी गुरेज नहीं करते। ऐसी मान्यताएं भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के सभी देशों में पाई जाती हैं।

सवाल उठता है कि समाज में अतार्किक विचारधारा वाले इतने अधिक लोग कहां से आ गए? जवाब है, वह परवरिश और माहौल जो हम अपने बच्चों को देते हैं। शिक्षा व्यवस्था के तहत बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उतने प्रयास नहीं हो रहे जितने होने चाहिए। संयुक्त परिवारों का टूटना और नई जीवन शैली का एकाकीपन, यांत्रिकता, तनाव आदि ऐसी स्थिति पैदा कर दी जहां हर व्यक्ति परेशान और बेचैन हो चला है। इन्हीं सामाजिक-मनोवैज्ञनिक स्थितियों के बीच लोग जाने-अनजाने ऐसे बाबाओं की ओर उन्मुख होने लगते हैं, जो लोगों को हर दुःख-तनाव से छुटकारा दिलाने का दावा करते हैं। लोगों में वहम पैदा कर फायदा उठाने की कला बाजार ने भी सीख ली है।

यही वजह है कि बाजार के जन्म दिए हुए बहुत सारे त्योहार आज परंपरा के नाम पर कुछ दूसरा ही रूप ले चुके हैं। किसी त्योहार पर गहने खरीदने का प्रचलन है तो किसी पर महंगे जानवरों की कुर्बानी देने का। साधारण से रिवाज आज पूरी तरह आर्थिक रंग में रंग चुके हैं। लोग भी इन्हें मानते रहते हैं। बिना महसूस किए कि इससे नुकसान उन्हीं का हो रहा है। छोटे शहरों में आज भी पाखंडी बाबाओं और फकीरों का जाल फैला हुआ है जिनकी नेमप्लेट अक्सर इनके मल्टीटैलेंटेड होने का आभास कराती है। ये अक्सर खुद को ट्रैवल एजेंट (विदेश यात्रा करवाने का दावा), फाइनेंशियल एक्सपर्ट (फंसा हुआ धन निकलवाने का दावा), रिलेशनशिप एक्सपर्ट (प्रेम विवाह करवाने, सौतन से छुटकारा दिलाने का दावा) और मेडिकल एक्सपर्ट (एड्स, कैंसर जैसी बीमारियां ठीक करने का दावा) आदि बताते हैं। कई लोग इनके झांसे में आ भी जाते हैं, और इनका बैंक बैलेंस बढ़ाते हैं।

देश में राजसत्ता-तंत्र अपने सामाजिक-आर्थिक दायित्व निभाने में अपेक्षाकृत पीछे ही रहा। दूसरी ओर, इन बाबाओं द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित कार्य किए जाने लगे। इसके साथ ही भूखों को भोजन से लेकर अन्य सामाजिक कामों में हिस्सेदारी की जाने लगी। इस क्रम में उनकी ओर से समानता का भाव स्थापित करने का काम भी किया जाने लगा। धीरे-धीरे वे लोगों के विवाद-झगड़ों का निपटारा भी करने लगे।

ऐसे काम भी करने लगे जो राज सत्ता यानी शासन के हिस्से में आते थे। ऐसे कामों से उनकी लोकप्रियता बढ़ी। उनके कल्याणकारी कामों के तिलिस्म में न केवल गरीब-अभावग्रस्त और कम पढ़ी-लिखी जनता फंसी, बल्कि उनका जादू अपेक्षाकृत संपन्न और शिक्षित लोगों पर भी चला, जो जीवन की विविध जटिलताओं, सामाजिक-मानसिक समस्याओं में उलझे हुए हैं।

इस तरह ये अपने अनुयायी बढ़ा कर सामाजिक वैधता हासिल करते हैं, और उसके बल पर राजनीतिक संरक्षण हासिल करने में समर्थ हो जाते हैं। बाबाओं को राजनीतिक संरक्षण देने के लिए कोई भी राजनीतिक दल पाक-साफ नहीं है। माना जाता है कि राजनीतिक पार्टियां अपना काला धन खपाने-छिपाने के लिए भी बाबा लोगों का इस्तेमाल करती हैं। चूंकि बाबाओं के पास अनुयायियों की अच्छी-खासी संख्या होती है, इसलिए राजनीतिक दलों के लिए वे वोट बैंक का भी काम करते हैं। किसी बात पर आंख मूंद कर विश्वास करने की प्रवृत्ति आज की स्मार्टफोन जेनरेशन से तर्कहीन काम तक करा सकती है। इस वर्ग के लोग आंखें मूंद कर दूसरों का अनुसरण करते हैं, और स्वविवेक का इस्तेमाल करके निर्णय नहीं ले रहे हैं। किसी काम को सिर्फ इसलिए करते हैं, क्योंकि वह सालों से होता आ रहा है, या उसे बहुत सारे लोग कर रहे हैं, और कभी नहीं सोचते कि उसकी उपयोगिता क्या है। दूसरे शब्दों में कहें तो ऐसे लोग सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक और भावनात्मक अंधविश्वासों में जकड़े होते हैं।

इन लोगों का आईक्यू बेहद कम होता है, और इन्हें बेहद आसानी से प्रभावित किया जा सकता है। ये रैशनली नहीं सोचते, पर इमोशनली बेहद चार्ज्ड होते हैं। इनके दिल में आसानी से किसी चीज के लिए लगाव या नफरत पैदा की जा सकती है, और ऐसा होने पर ये किसी भी हद तक जा सकते हैं। आंख मूंद कर किया गया विश्वास न सिर्फ इनके लिए, बल्कि दूसरों के लिए भी घातक साबित होता है। कबीर की शिक्षाओं का निचोड़ यही है कि हर तथ्य पर सवाल उठाएं। जब तक खुद उसे परख न लें, तब तक उस पर विश्वास न करें। दार्शनिक प्लूटो ने भी यही कहा है कि शासक हमेशा अनबायस्ड व्यक्ति को ही होना चाहिए। दुर्भाग्य की बात है कि आज बहुत सारे लोग भीड़ का अनुसरण करने की मानसिकता से ग्रस्त हैं।

खुद की तरफ मुड़ी उंगलियां भी देखनी होंगी

भारत में धर्मांतरण विरोधी कानूनों, नफरत फैलाने वाले भाषणों और धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के घरों और प्रार्थना स्थलों को ध्वस्त करने के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हुई है।अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर विदेश विभाग की वार्षिक रिपोर्ट पेश करते हुए अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने ये बातें कहीं। उन्होंने दुनिया भर में लोगों की धार्मिक आजादी की रक्षा के लिए काफी जद्दोजहद करने की भी बात उठाई। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के 28 में से 10 राज्यों में धर्मातरण पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून हैं, जिनमें से कुछ राज्य विवाह के उद्देश्य से जबरन धर्मातरण के खिलाफ दंड भी लगाते हैं। इसमें दुनिया के तकरीबन दो सौ देशों की धार्मिक स्थिति का आकलन किया गया है।

हालांकि भारत इसे पहले से ही खारिज करता रहा है और इसे प्रकाशित करने वाले आयोग को पक्षपाती बताता है। सिखों, ईसाइयों, यहूदियों, मुसलमानों, दलितों और आदिवासियों के खिलाफ हिंसा से निपटने में मोदी सरकार की नाकामी की बात कर रही है यह रिपोर्ट। इसमें 2023 में गैर- सरकारी संगठनों ने ईसाइयों के खिलाफ हिंसा की 687 घटनाओं का जिक्रभी किया गया है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, मणिपुर हिंसा, ईसाइयों पर हमले, चर्च में तोड़-फोड़ और धर्मातरण कानून के तहत हिरासत में रखे लोगों की चर्चा भी है।चीन, ईरान, रूस, सउदी अरब, अफगानिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और बर्मा के साथ भारत का नाम रखे जाने पर सरकार द्वारा जताई गई आपत्ति उचित है। कहना गलत नहीं है कि मोदी सरकार अपनी हिन्दुत्ववादी विचारधारा के चलते बहुसंख्यकों को प्रभावित करने में सफल है।इसलिए हर साल अमेरिका को इस पर पुनः विचार करने की बात करने की बात कर रस्मादायगी कर लेती है, जबकि सरकार को अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपनी छवि सुधारने के प्रयास करने चाहिए। संविधान कहता है कि भारत धर्मनिरपेक्ष राज्य है और धार्मिक आजादी मौलिक अधिकार है। इसलिए सभी धर्मावलंबियों की सुरक्षा का दायित्व सरकार का है। वहीं अमेरिका में अेतों को लेकर जो पक्षपात होते हैं, उनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। दूसरों पर उंगली उठाते हुए, खुद की तरफ मुड़ी उंगलियां भी देखनी होंगी।

यह बड़ी चूक है

उत्तर प्रदेश में हाथरस के सिकन्द्राराऊके पुलराई गांव में आयोजित सत्संग में मची भगदड़ से 125 लोगों की मौत हो गई।अनेक लोग घायलावस्था में अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। पुलिस के अनुसार मरने वालों की संख्या 116 बताई जा रही है। कथावाचक नारायण साकार हरिनाम जिसे विश्व हरि भी कहा जाता है, का यह सत्संग था जो एटा से अलग हुए कासगंज के पटियाली के बहादुरपुर गांव का मूल निवासी बताया जाता है। इसका असली नाम सूरजपाल जाटव है। उप्र पुलिस में कान्सटेबल जाटव छेडखानी के मामले में निलंबित कर दिया गया था, बाद में बर्खास्त हो गया।

अदालत द्वारा नौकरी बहाल किए जाने के बाद जाटव ने दावा किया कि परमात्मा से उनका सीधा संवाद होता है। इसके बाद तो उनके साथ-साथ धर्मभीरु जनता जुड़ती चली गई और बड़े-बड़े आयोजन होने लगे, जिनमें हजारों की संख्या में गरीब और वंचित शामिल होते हैं। कुचल कर मरने वालों में महिलाओं और बच्चों की संख्या ज्यादा है। तीन साल पहले इसी बाबा के इटावा के नुमाइश मैदान में हुए सत्संग के दौरान भी अफरातफरी हुई थी। बेशकीमती चश्मा और सफेद कपड़े पहनने वाले बाबा के वर्दीधारी स्वयंसेवकों की लंबी-चौड़ी फौज बताई जा रही है। कार्यक्रम के लिए प्रशासन से केवल कुछ लोगों के शामिल होने की अनुमति थी। आयोजन स्थल के भीतर की व्यवस्था का जिम्मा स्वयंसेवकों का होता है।

नए कानूनों के शीषर्क में ही दंड की प्रधानता

प्रमोद भार्गव

वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से आहत होकर अंग्रेजों ने स्वतंत्रता सेनानियों और उनके मददगारों को दंड देने की दृष्टि से अनेक औपनिवेशिक कानून लागू किए थे। इनमें प्रमुख रूप से अंग्रेजी राज का पर्याय बने तीन मूलभूत कानूनों में आमूलचूल परिवर्तन किए गए हैं।

1860 में बने इंडियन पेनल कोड को अब भारतीय न्याय संहिता, 1898 में बने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और 1872 में बने इंडियन एविडेंस कोड को अब भारतीय साक्ष्य संहिता के नाम से जाना जाएगा। इन कानूनों के शीषर्क में ही ह्यदंडह्ल की प्रधानता है।

मसलन, इन कानूनों की चपेट में जो भी आएगा उसे दंडित होना ही पड़ेगा। दंड के मनोविज्ञान से ही निर्दोष भयभीत हो जाया करते हैं। इस भय से मुक्ति का प्रावधान करने की दृष्टि से ह्यन्यायह्ल शब्द का प्रयोग कानून के शीषर्कों में किया गया है। न्याय शब्द ही इस अर्थ का प्रतीक है कि यदि आपसे भूलवश कोई अपराध हो भी गया है तो आप न्याय के भागीदार होंगे। फिरंगी हुकूमत ने कानून भारतीयों को अधिकतम दंड देने की मानसिकता से बनाए थे, जबकि कोई भी विधि सम्मत प्रक्रिया दंड की अपेक्षा न्याय के सरोकारों से जुड़ी होनी चाहिए। इसीलिए भारतीय न्याय व्यवस्था के सिलसिले में कहा जाता रहा है कि यहां न्याय नहीं निराकरण होता है। नये कानूनों के लागू होने के साथ दुनिया में सबसे अधिक आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली भारत की होगी, क्योंकि अब इनकी आत्मा में भारतीयता निहित कर दी गई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पांच पण्प्रकिए थे, इनमें एक प्रण गुलामी की निशानियों को खत्म करना भी था। कानून संबंधी पारित विधेयक उसी परिप्रेक्ष्य में हैं। नये कानूनों के अंतर्गत दंड अपराध रोकने की भावना पैदा करने के लिए दिया जाएगा। नये कानून महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर केंद्रित हैं। अब नये कानून में नाबालिग से दुष्कर्म और मॉब लिंचिंग के लिए फांसी की सजा दी जाएगी। राजद्रोह कानून ब्रिटिश सत्ता को कायम रखने के लिए था, इसे अब खत्म किया जा रहा है।

कुछ प्रचलित धाराओं की संख्या भी बदली गई है। प्रमुख रूप से अंग्रेजी राज का पर्याय बने तीन मूलभूत कानूनों में आमूलचूल परिवर्तन किए गए हैं। 1860 में बने इंडियन पेनल कोड को अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) कहा जाएगा।

164 साल पुरानी आईपीसी में 511 धाराएं थीं, जो बीएनएस-2023 में 358 रह जाएंगी। इसमें 21 नये अपराध जुड़े हैं, और 41 धाराओं में सजा बढ़ाई गई है। पहली बार छह अपराधों में सामुदायिक सेवा की सजा जोड़ी गई है। साफ है, पीड़ितों के साथ न्याय पर फोकस किया गया है। 1898 में बने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) कहा जाएगा। इसमें 47 नई धाराओं के साथ अब कुल 531 धाराएं होंगी।

पहले धारा 154 में होने वाली प्राथमिकी नये कानून के तहत धारा-173 में दर्ज की जाएगी। अब पुराने कानून दंड प्रक्रिया संहिता में से ह्यदंड को हटाकर नागरिक सुरक्षा पर जोर दिया गया है, 1872 में बने इंडियन एविडेंस कोड को अब भारतीय साक्ष्य संहिता के नाम से जाना जाएगा। पुराने कानून में 167 धाराएं थीं, जो अब 170 रह गई हैं। इस कानून को तकनीक और फॉरेंसिक आधार पर तैयार किया गया है ताकि सजा का प्रतिशत 90 प्रतिशत तक पहुंच जाए। बढ़ते साइबर अपराधों के संदर्भ में इस कानून की अहम भूमिका जताई जा रही है।

नये प्रारूप में धारा 150 के तहत आरोपी को सात साल की सजा से लेकर उम्रकैद तक की सजा दी जा सकती है। मॉब लीचिंग यानी उन्मादी भीड़ द्वारा हत्या और हिंसा के लिए अलग से सजा का प्रावधान किया गया है। इसे पंथनिरपेक्ष रखा गया है क्योंकि कभी-कभी चोर को भी भीड़ मार देती है। झारखंड और अन्य कई अशिक्षित क्षेत्रों में महिलाओं को डायन बता कर समूह मार देता है। इन हत्याओं पर अब मॉब लीचिंग कानून लागू होगा। अभी तक ऐसे मामलों में हत्या की धारा 302 और दंगा या बलवा की धाराएं 147-148 के तहत कार्यवाही होती है। नाबालिग से दुष्कर्म या पहचान छिपा कर किए गए दुष्कर्म के आरोप में 20 साल का कारावास या मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है। विरोध नहीं करने के अर्थ का आशय सहमति नहीं निकाला जाएगा।

नये कानून में पहली बार आतंकवाद की इबारत को पारिभाषित किया गया है। कोई व्यक्ति देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता और सुरक्षा को संकट में डालने के इरादे से कृत्य करता है तो उसे नये कानून के हिसाब से सजा मिलेगी। देश के अस्तित्व को चुनौती देने वाले बाहरी या भीतरी असामाजिक तत्व कानूनी शिकंजे से बचने न पाएं, इसके प्रावधान किए गए हैं। यही कानूनी प्रावधान बृहत्तर सामाजिक हित राज्य को भारत की संप्रभुता, अखंडता तथा राज्य की सुरक्षा से जोड़ते हैं। भारत के विरुद्ध सांप्रदायिक कट्टरता फैलाने और सरकार के लिए नफरत के हालात बनाने में भारत विरोधी विदेशी ताकतें सोशल मीडिया का मनचाहा एवं गलत दुरु पयोग करती हैं, इसलिए नये कानून में देश तोडने की कोशिश करने वाली ताकतों पर अंकुश के लिए कठोर प्रावधान किए गए हैं। अतएव स्वतंत्रता के 76 साल बाद भारतीयों को वास्तव में ऐसी प्रणाली मिल गई है, जो दंड की बजाय अधिकतम न्याय पर आधारित है।

विक्की कौशल त्रिप्ति डिमरी और एमी विर्क स्टारर बैड न्यूज का पहला गाना तौबा तौबा जारी

आनंद तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म बैड न्यूज पिछले लंबे वक्त से जबरदस्त चर्चा में है।यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके जरिए पहली बार विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की जोड़ी देखने को मिलेगी।एमी विर्क भी इस फिल्म महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। तीनों की तिकड़ी देखने के लिए दर्शक बेताब हैं।अब निर्माताओं ने बैड न्यूज का पहला गाना तौबा तौबा जारी कर दिया है, जिसे करण औजला ने अपनी आवाज दी है।

इस गाने के बोल करण ने लिखे हैं, वहीं गाने का संगीत भी उन्होंने ही तैयार किया है। यह फिल्म 19 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।कॉमेडी के साथ रोमांस के तड़के से भरपूर इस फिल्म के निर्माता करण जौहर हैं।नेहा धूपिया भी इस फिल्म में अभिनय करती नजर आएंगी।इस फिल्म की कहानी भी साल 2019 में आई करीना कपूर और अक्षय कुमार की फिल्म गुड न्यूज की तरह एक बच्चे के इर्द-गिर्द घूमती है।

विक्की ने तौबा तौबा गाने का म्यूजिक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे कुछ कठिन डांस मूव्स को बड़ी ही आसानी से करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने क्लिप के कैप्शन में लिखा, पंजाबी गाना और मैं डांस न करूं? चलो चलें, तौबा तौबा गाना अभी रिलीज हुआ है। यह पहली बार नहीं है जब विक्की ने पंजाबी गाने पर डांस किया हो।

पिछले साल विक्की रियार साब और अभिजय शर्मा के गाने ऑब्सेस्ड पर ऑल-ब्लैक आउटफिट में डांस करते हुए वायरल हुए थे। उनके डांस मूव्स ने इस गाने को म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म स्पॉटिफाई पर भारत के टॉप 50 हिट्स में दूसरे स्थान पर पहुंचाया। तौबा तौबा गाने में विक्की कौशल शानदार डांस करते दिखाई दे रहे हैं। गाने की एक-एक बीट पर एक्टर ने अपनी डांसिंग स्किल को दिखाया है।

वहीं तृप्ति डिमरी भी इसमें अपनी अदाओं का जादू दिखा रही हैं। रिलीज के कुछ घंटों बाद ही गाने ने सोशल मीडिया पर धमाल कर दिया है। फिल्म दो पंजाबी लडक़ों और एक ईसाई हिंदू लडक़ी की कहानी के बारे में है।

भारत की नाक में दम करने वाला बनेगा श्रीलंका का कोच

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप-2024 में खराब प्रदर्शन के बाद श्रीलंका क्रिकेट टीम के कोच क्रिस सिल्वरवुड ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनसे पहले बतौर सलाहकार टीम के साथ काम कर रहे महान बल्लेबाज महेला जयवर्धने ने भी अपना पद छोड़ दिया था। अब श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड कोच की नियुक्ति करने को तैयार है और उसने ऐसे इंसान को चुना है जिसने अपने खेलने के दिनों में भारत को काफी परेशान किया। श्रीलंका के पूर्व कप्तान और तूफानी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या टीम के नए हेड कोच का पद संभालने को तैयार हैं। वह भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज से पहले इस पद पर काबिज हो सकते हैं। जयसूर्या ने कहा है कि बोर्ड ने उनसे हेड कोच बनने के लिए संपर्क किया था। वह पहले भी चीफ सेलेक्टर रह चुके हैं। और अभी भी बोर्ड के साथ बतौर सलाहकार काम कर रहे हैं। सनथ जयसूर्या ने न्यूज एजेंसी एएफपी से बात करते हुए कहा, "मुझसे कोच बनने को कहा गया है। मैं ऐसा करके खुश होऊंगा।" जयसूर्या वो बल्लेबाज हैं जिन्होंने भारत को अधिकतर मैचों में काफी परेशान किया है। उनका वनडे और टेस्ट में बेस्ट स्कोर भारत के खिलाफ ही है। भारत के खिलाफ अगस्त 1997 में खेले गए टेस्ट मैच में जयसूर्या ने 340 रन बनाए थे।

'दादा आप तो महाराज हो...' फैंस ने सौरव गांगुली को कुछ इस अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली। भारतीय टीम के सबसे सफल कप्तानों में शुमार सौरव गांगुली आज अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं। गांगुली का जन्म आठ जुलाई 1972 को कोलकाता में हुआ था। सौरव भारत के महान बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। वह बीसीसीआई के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। दादा के नाम से मशहूर गांगुली को उनके जन्मदिन पर जमकर बधाइयां मिल रही हैं।

क्रिकेट जगत गांगुली को जन्मदिन विश कर रहा है। गांगुली ने 1996 में टेस्ट डेब्यू किया था और अपने पहले ही मैच में क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स मैदान पर शतक जमाया था। यहां से गांगुली ने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह लगातार रन करते गए और आगे बढ़ते रहे। आगे चलकर वह टीम के कप्तान बने और अपनी कप्तानी में टीम को साल 2003 में वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में ले गए। इस दौरान उनके ओपनिंग पार्टनर रहे सचिन तेंदुलकर ने खास अंदाज में गांगुली को बधाई दी है। गांगुली की बल्लेबाजी शानदार थी। वह ऑफ साइड में खेलने के माहिर थे और लाजवाब शॉट लगाते थे। इसलिए उन्हें ऑफ साइड का भगवान कहा जाता था। इसी बात को ध्यान में रखकर सचिन ने अपने जिगरी दोस्त को बधाई दी है। सचिन ने एक्स पर गांगुली के साथ की फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, "आपको ऑन साइड से जन्मदिन की बधाई भेज रहा हूं। उम्मीद है कि ये आपको ऑफ साइड पर मिल जाएंगी।"

अजय-तबू की औरों में कहां दम था की नई रिलीज डेट अनाउंस, 2 अगस्त को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

अजय देवगन और तबू स्टारर मच अवेटेड फिल्म औरों में कहां दम था को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है. इस फिल्म के ट्रेलर के बाद से तो इसका काफी बज बना हुआ है. ये फिल्म पहले 5 जुलाई 2024 को रिलीज होने वाली थी. हालांकि फिल्म की रिलीज डेट टाल दी गई थी. फाइनली फिल्म की लीड स्टार्स ने औरों में कहां दम था की नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है. चलिए जानते हैं अजय और तबू की ये रोमांटिक ड्रामा बड़े पर्दे पर कब दस्तक देगी?

औरों में कहां दम था का निर्माण करने वाली कंपनी फ्राइडे फिल्मवर्क्स ने 3 जुलाई को इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर कर अनाउंस किया था कि फिल्म की रिलीज की तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है. नोट पर ये भी लिखा गया था कि नई रिलीज़ डेट जल्द ही घोषित की जाएगी. तब से फैंस मेकर्स द्वारा रिलीज की तारीख की घोषणा का इंतजार कर रहे थे और आज फाइनली फिल्म की नई रिलीज डेट अनाउंस कर दी गई है.

अजय और तबू ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए इसकी नई रिलीज डेट अनाउंस की है. इसके मुताबिक ये फिल्म 2 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया है, इंतजार 2 अगस्त को खत्म होगा! (रेड हार्ट इमोजी). इसका मतलब है कि फैंस को सिनेमाघरों में रोमांटिक थ्रिलर देखने के लिए लगभग एक महीने और इंतजार करना होगा. नीरज पांडे द्वारा निर्देशित, औरों में कहां दम था में जिमी शेरगिल, शांतनु माहेश्वरी और सई मांजरेकर के साथ अजय देवगन और तबू मुख्य भूमिका में हैं. रोमांटिक थ्रिलर कृष्णा (अजय) और वसुधा (तब्बू) के किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो 22 साल तक अलग रहने के बाद फिर से एक-दूसरे से मिलते हैं. बता दें कि अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था की नई रिलीज डेट 2 अगस्त अनाउंस की गई है.

गिप्पी ग्रेवाल की अरदास सरबत दे भले दी का टीजर जारी, जैस्मीन भसीन संग जमी जोड़ी

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री वह इंडस्ट्री है, जिनकी फिल्में नॉर्थ जोन के अलावा दूसरे प्रदेशों में भी दर्शक देखना पसंद करते हैं. बता दें, पंजाब इंडस्ट्री की कई हिट फिल्में हैं, जिन्होंने दूसरे प्रदेश के लोगों के दिलों में यह खास जगह बनाई है. अगर गिप्पी ग्रेवाल की बात करें तो वह पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के एक जाना माना चेहरा हैं. जहां उनकी पंजाब में ही नहीं दूसरी जगह भी काफी लंबी फैंस फॉलोइंग हैं. गिप्पी ग्रेवाल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म अरदास सरबत दे भले दी को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. हाल ही में इस फिल्म का टीजर दर्शकों के सामने आ गया है.

भारतीय टीम की साख दांव पर, द.अफ्रीका के खिलाफ सीरीज बराबर करने के लिए लगाना होगा एड़ी चोटी का जोर

चेन्नई। भारतीय महिला टीम तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में मंगलवार को यहां अंतिम मैच में जब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान में उतरेगी तब उनके सामने जीत दर्ज कर इसे 1-1 से बराबर करने की चुनौती होगी। इसके लिए हालांकि भारतीय गेंदबाजों को अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा उठाना होगा, जिसके खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ने पहले मैच में नौ विकेट पर 189 रन बनाकर 12 रन से जीत दर्ज की। दूसरे मैच में वर्षा के कारण भारत को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला, लेकिन गेंदबाजों ने इस मुकाबले में भी छह विकेट पर 177 रन लुटाए थे।

मौसम बन सकता है विलेन

तीसरे टी-20 में पर भी खराब मौसम का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि मंगलवार को भी वर्षा की 30 से

40 प्रतिशत संभावना है। दोनों मैचों में दो-दो विकेट लेने वाली पूजा वस्त्राकर और स्पिनर दीप्ति शर्मा को छोड़कर, अधिकांश भारतीय गेंदबाज प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे है। रेणुका सिंह के पहले मैच में असरहीन रहने के बाद दूसरे मुकाबले में सजीवन सजना को मौका मिला लेकिन इससे भी टीम को कोई फायदा नहीं हुआ। श्रेयंका पाटिल और राधा यादव ने रविवार को एक-एक विकेट लिया, लेकिन यह दोनों गेंदबाज भी रन रोकने में नाकाम रहे। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चाहेंगी कि सीरीज दांव पर होने के कारण उनकी गेंदबाज कड़ी मेहनत करें। बल्लेबाजी के मोर्चे पर पहले मैच में भारतीयों ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

जेमिमा रोड्रिग्स (अविजित 53), स्मृति मंधाना (46), हरमनप्रीत (35), शेफाली वर्मा (18) और दयालन हेमलता (14) ने बल्ले से अच्छा योगदान दिया। टी-20 में रविवार को पदार्पण करने वाली विकेटकीपर उमा छेत्री के टीम में बने रहने की संभावना है।

एक नजर

26 मोटर मार्गों पर आवाजाही बंद

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सोमवार को जिले के एक राज्यमार्ग सहित 26 मोटर मार्गों पर यातायात ठप रहा। जिस कारण लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सोमवार को बारिश नहीं होने से लोगों ने राहत की सांस ली। बीते दिनों हुई मूसलाधार बारिश से सोमवार को जिले के राज्यमार्ग टिहरी-हिंडोलाखाल-बिलखेत मोटमार्ग, मुख्य जिला मार्ग नालीखाल-बनचूरी-कपोलकाटल के साथ ग्रामीण मोटरमार्ग तुकडंडा-भैंस्वाडा, मस्टखाल-उतिंडा, कुल्हाड-किनसूर, नोडखाल-माला, टकोलीखाल-बीरोंखाल, कुण्जखाल-धामधार, कांडाखाल-चैलूसैंण, देवराणा-ठुंडा, पौखाल-कण्वाश्रम आदि मोटर मार्गों पर यातायात ठप रहा।

छात्र तंबाकू और मादक पदार्थों से दूर रहें

श्रीनगर गढ़वाल : रेनबो पब्लिक स्कूल चौरास में सोमवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर छात्रों को तंबाकू निषेध की शपथ दिलाई गई। इस दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. रेखा उनियाल ने बच्चों को तंबाकू और मादक पदार्थों से दूर रहने को कहा। उन्होंने छात्रों को अपने आसपास लोगों को भी तंबाकू का सेवन न करने को लेकर जागरूक करने का संदेश दिया। छात्रों ने भी तंबाकू से दूर रहने की शपथ ली। (एजेंसी)

स्कूली बच्चों को ड्रेस और छाते बांटे

श्रीनगर गढ़वाल : इंटरनेशनल लायंस क्लब श्रीनगर द्वारा विकासखण्ड खिर्सू के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दत्ताखेत एवं सौड़-क्वीसू में सोमवार को जरूरतमंद अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को निःशुल्क स्कूल ड्रेस एवं छातों का वितरण किया गया। साथ ही प्रकृति पर्व हरेला के तहत दोनों विद्यालय में पौध रोपण कार्यक्रम मनाया गया। इंटरनेशनल लायंस क्लब के अध्यक्ष वासुदेव कंडारी ने कहा कि यदि शिक्षा विकास का ताला है तो शिक्षक उसकी चाबी है। प्रत्येक बच्चे को शिक्षा मिले इसके लिए सरकार व सामाजिक संस्थाओं को भी इस ओर ध्यान देना चाहिए कि कोई भी बच्चा शिक्षा में किसी भी कमी की वजह से ज्ञान से वंचित न रहे। समाजसेवी राजीव बिश्नोई, सत्य सिंह तड़ियाल ने प्रकृति पर्व हरेला पर वृक्षा रोपण के साथ सभी को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने के लिए आह्वान किया। पीएम मोदी के आह्वान पर एक पेड़ अपने नाम और एक पेड़ मां के नाम लगाने के लिए उन्होंने सभी से अपील की। इस मौके पर प्रधानाचार्य विपिन गौतम, पूनम रतूड़ी, सुनीता नेगी, प्रसन्ना देवी, आशा देवी, जगत सिंह भंडारी, शंकरमणि थपलियाल, सुबोध चमोली, माधुरी गैरोला, शैफाली कुंवर, अनुज नौडियाल आदि उपस्थित रहे। (एजेंसी)

केदारनाथ जाने वाले यात्रियों की संख्या में आई कमी

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ धाम की यात्रा पर आने वाले यात्रियों की संख्या में और भी कमी आ गई है। बरसाती मौसम में प्रतिदिन करीब ढाई हजार यात्री केदारनाथ पहुंच रहे हैं। हालांकि सावन के पवित्र महीने में स्थानीय शिव भक्तों के साथ ही कांवड यात्री केदारनाथ पहुंचने से यात्री संख्या बढ़ सकती है। इन दिनों पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही पैदल मार्ग में कई जगहों पर भूस्खलन का खतरा बना है। ऐसे में बाबा केदार के दर्शन करने वाले यात्रियों की संख्या में भी कमी आने लगी है। बीते दिन केदारनाथ में 2448 यात्रियों ने दर्शन किए। जबकि कुछ दिनों से इसी तरह यात्री संख्या में कमी आ रही है।

10 मई को केदारनाथ धाम के कपाट खुलने से अब तक कुल 1034254 यात्रियों ने बाबा केदार के दर्शन किए हैं। अब, सावन का महीना शुरू हो रहा है ऐसे में कावंड यात्री के साथ ही स्थानीय शिव भक्त बड़ी संख्या में जलाभिषेक के लिए केदारनाथ धाम पहुंचेंगे। जिससे दर्शन करने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफा हो सकता है। इधर, प्रशासन ने यात्रियों से बरसात में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही यात्रा करने का अनुरोध किया है। बारिश में अनावश्यक यात्रा करने से बचने की सलाह दी है।

अंबानी ने बदरी-केदार धाम पहुंचाया शादी का कार्ड

रुद्रप्रयाग : भगवान केदारनाथ और बदरीनाथ पर अटूट आस्था रखने वाले देश के प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अम्बानी ने अपने बेटे अनंत अम्बानी के विवाह का निमंत्रण दोनों धामों को पहुंचाया है। भगवान बाबा केदार और बदरी विशाल को निमंत्रण देते हुए अम्बानी ने इस शुभ मुहूर्त पर आशीर्वाद मांगा है। बता दें कि इसी माह मुकेश अम्बानी के बेटे अनंत अम्बानी का विवाह होना है।

अतिक्रमण पर भेदभाव का आरोप, व्यापारियों ने बंद रखे प्रतिष्ठान

● व्यापार संघ ने निगम पर लगाया बाजार के व्यापारियों के उत्पीड़न का आरोप ● कहा कि बाजार में अतिक्रमण हटाने से पूर्व सभी वार्डों में चिह्नित हो अतिक्रमण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अतिक्रमण को लेकर भेदभाव का आरोप लगाते हुए व्यापारियों ने नगर निगम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों को बंद रखते हुए नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया। कहा कि अतिक्रमण के नाम पर निगम को केवल बाजार क्षेत्र के व्यापारी ही नजर आते हैं। जबकि, अन्य वार्डों के अतिक्रमण को नगर निगम अनदेखा कर रहा है। ऐसे में व्यापार संघ व्यापारियों का उत्पीड़न किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रविवार देर शाम नगर निगम गोखले मार्ग में अतिक्रमण चिह्नित करने पहुंचा था। जहां व्यापारियों ने निगम की इस कार्यप्रणाली का विरोध किया। व्यापारियों का आरोप था कि नगर निगम त्योहार सीजन में ही अतिक्रमण चिह्नित करने पहुंच जाता है। जिससे व्यापारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही अतिक्रमण के नाम पर केवल बाजार क्षेत्र के ही व्यापारी नगर आते हैं। जबकि, निगम क्षेत्र के चालीस वार्डों अतिक्रमण की जद में हैं। मौके पर पहुंचे व्यापार संघ के अध्यक्ष प्रवीन भाटिया, सचिव नवीन गोयल ने निगम पर एक तरफा कर्रवाई का आरोप लगाते हुए सोमवार को बाजार बंद करने का एलान किया। इसके बाद सोमवार सुबह से बाजार पूरी तरह बंद नजर आ रहा था। करीब दस बजे व्यापार संघ के सदस्यों व पदाधिकारियों ने झंडाचौक से तहसील तक आक्रोश रैली भी निकाली। साथ ही उपजिलाधिकारी सोहन सैनी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। व्यापार संघ के अध्यक्ष प्रवीण भाटिया ने कहा कि कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के चालीस वार्ड पूरी तरह अतिक्रमण की जद में आए हुए हैं। लेकिन, नगर निगम को केवल बाजार क्षेत्र का ही अतिक्रमण नजर आता है। कहा कि यदि निगम वार्ड एक से चालीस तक अतिक्रमण हटाने का कार्य करता है तो व्यापारी निगम के साथ खड़े रहेंगे। लेकिन, केवल बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि निगम ने अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव नहीं किया तो व्यापारियों का आंदोलन जारी रहेगा।

कोटद्वार में नगर निगम के खिलाफ आक्रोश रैली निकालते व्यापारी

सोमवार को व्यापारियों के आदेश के बाद बंद पड़ी दुकानें

निगम की चेतावनी, जल्द हटाएं अतिक्रमण

एक ओर जहां व्यापारी अतिक्रमण हटाने का विरोध कर रहे हैं। वहीं, नगर निगम ने उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए गोखले मार्ग के व्यापारियों को 48 घंटे के भीतर चिह्नित अतिक्रमण को हटाने की चेतावनी दी है। नगर आयुक्त वैभव गुप्ता ने कहा कि यदि अतिक्रमणकारी स्वयं ही अपना अतिक्रमण नहीं हटाते तो नगर निगम इसे स्वयं ही ध्वस्त करेगा। जिसका व्यय भवन स्वामी से ही वसूला जाएगा। अतिक्रमण हटाने के लिए निगम की टीम भी गठित की गई है।

जनता रही परेशान

सोमवार को व्यापार मंडल की ओर से आहूत बाजार बंद होने से सबसे अधिक परेशानी विवाह समारोह का आयोजन करने वालों को उठानी पड़ी। कहीं भी सब्जी व मिठाई तक नहीं मिलने से पूरे दिन लोग इधर-उधर भटकते रहे। आवश्यक सामान खरीदने के लिए कई लोगों को नजीबाबाद की दौड़ लगानी पड़ी। वहीं, पहाड़ से आने वाले लोग भी परेशान रहे।

पीठ पर खंजर घोपने वालों को समाज माफ नहीं करेगा : गोदियाल

चमोली : बदरीनाथ विधानसभा उपचुनाव प्रचार के आखिरी दिन सोमवार को पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने गोपेश्वर रामलीला मैदान में चुनाव सभा की। गोदियाल ने कहा भाजपा और सरकार जनता के दर्द में कभी शामिल नहीं रही।

गोदियाल ने बदरीनाथ विधानसभा उप चुनाव को सत्य और अधर्म के चयन का भी चुनाव बताया। कहा कि भाजपा प्रत्याशी ने जनता के विश्वास और कांग्रेस के साथ धोखाधड़ी कर गलत किया है। बदरीनाथ की सत्यनिष्ठ जनता ऐसे व्यक्ति को चुनाव में पराजित कर सत्य का साथ देगी। कहा पीठ पर खंजर घोपने वालों को समाज कभी माफ नहीं करता है। गोदियाल ने कहा पूर्व विधायक राजेन्द्र भंडारी जिन उपलब्धियों को गिना रहे हैं वे सब कांग्रेस सरकार की देन है। गोपेश्वर की जनसभा को प्रताप नगर विधायक विक्रम सिंह नेगी, केदारनाथ के पूर्व विधायक मनोज रावत, कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश नेगी, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष ऊषा रावत, धीरेन्द्र गडोरिया, गोविन्द सिंह सजवाण, प्रमोद बिष्ट, योगेन्द्र बिष्ट आदि ने संबोधित कर कांग्रेस प्रत्याशी के लिए वोट मांगे। (एजेंसी)

भागवत के महात्म्य के बारे में बताया

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम के अंतर्गत लालपुर स्थित एक बारातघर के सभागार में जगदीश बलूनी की स्मृति में बलूनी बंधुओं की ओर से सोमवार से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है।

कथा के प्रथम दिवस पर प्रवचन करते हुए आचार्य शिवप्रसाद ममगांई ने भागवत कथा का महत्व बताया। इस अवसर पर सुशीला बलूनी, दीप बलूनी, सरिता बलूनी, धर्मानन्द बलूनी, राजेश्वरी खन्तवाल, आचार्य सुधीर दुदपुड़ी, आचार्य सन्दीप बहुगुणा और आचार्य दिवाकर भट्ट सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

वेतन विसंगतियों को दूर करने की मांग, किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : समान पद, समान वेतन में आई विसंगतियों को दूर करने की मांग को लेकर पूर्व सैनिक संघर्ष समिति ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कहा कि पूर्व सैनिक लगातार समस्या को उठा रहे हैं। लेकिन, अब तक इनके निराकरण को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इससे पूर्व सैनिक व सैनिक परिवारों में आक्रोश बना हुआ है।

सोमवार को पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के अध्यक्ष महेंद्र सिंह रावत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक और वीर नारियां तहसील में एकत्रित हुई। तहसील में धरना प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार ने समान पद के लिए समान वेतन का निर्धारण तो किया, लेकिन वेतन निर्धारण करते समय कई विसंगतियां पैदा हो गई है, जिसके कारण लाखों की संख्या में पूर्व सैनिकों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। पूर्व सैनिक वेतन विसंगतियों को दूर करने के लिए कई सालों से आंदोलन कर रहे है, लेकिन केंद्र सरकार उनकी मांगों को अनसुना कर रही है। उन्होंने वेतन विसंगतियों के समाधान के लिए तीन सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की कमेटी का गठन किए जाने की मांग की है। कमेटी के माध्यम से वेतन विसंगतियों को दूर किया जा सकता है। पूर्व सैनिकों ने अग्निपथ योजना को युवाओं के साथ धोखा बताया।

कहा कि देश का युवा अग्निपथ योजना में बदलाव चाहता है, जिसकी समीक्षा करना जरूरी है, ताकि देश की रक्षा में तैनात अग्निवीरों को योजना का लाभ मिल सके। साथ ही सेना का मनोबल भी बना रहे। इस मौके पर मदन सिंह नेगी, मेहरवान सिंह चौहान, ठाकुर सिंह गुसांई, सुभाष कुकरेती, देवेंद्र रावत, अनुसुया प्रसाद, गोपाल सिंह नेगी, मोहन सिंह नेगी, चंदन सिंह, विजेश्वरी झिंकवाण, गायत्री देवी, नंदा देवी, रेखा केष्टवाल मौजूद रहे।

पुलिया की रेलिंग से टकराई बस, बड़ा हादसा टला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पौड़ी से दिल्ली जा रही कोटद्वार डिपो की बस कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य आमसौड़ गांव के समीप अनियंत्रित होकर पुलिया की रेलिंग से टकरा गई। रेलिंग से टकराते ही बस रूक गई, जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया

। बस में करीब 32 यात्री सवार थे। सोमवार सुबह रोडवेज की बस पौड़ी से यात्रियों को लेकर कोटद्वार की ओर आ रही थी। इसी दौरान आमसौड़ के समीप कोटद्वार की ओर एक पुलिया पर चढ़ते ही विपरीत दिशा से आ रहे वाहन को बचाने के चक्कर में बस अनियंत्रित होकर रेलिंग से टकरा गई।

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य पुलिया की रेलिंग से टकराई बस

जैसे ही बस का अगला हिस्सा पुलिया की रेलिंग से टकराया यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गनीमत यह रही कि रेलिंग से टकराते ही बस रूक गई। नहीं तो बस गदेरे में गिर सकती थी। बस चालक-परिचालक सहित सभी यात्री सुरक्षित हैं। कोटद्वार पहुंचे पर बस की मरम्मत करवाकर उसे रूट पर रवाना किया गया।

दून में सड़क किनारे मिला 50 साल के शख्स का शव

देहरादून। देहरादून में सोमवार को सड़क किनारे 50 साल के शख्स का शव मिला है। व्यक्ति सुबह ही घर से निकला था। शव मिलने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।पटेलनगर कोतवाली पुलिस को सोमवार सुबह करीब 10 बजे सूचना मिली कि यहां कारगी रोड पर एक व्यक्ति पड़ा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो पता चला कि व्यक्ति की मृत हो चुकी है। शख्स की तलाशी लेने पर पहचान 50 वर्षीय साजिद के रूप में हुई। परिजनों से संपर्क करने पर बताया गया कि वह काम के सिलसिल में सुबह ही घर से निकला था। पुलिस मौके पर साक्ष्य जुटा रही है कि साजिद को किसी वाहन ने टक्कर मारी या फिर हत्या कर शव यहां फेंका गया। यहां आसपास के सीसीटीवी भी खंगाले जा रहे हैं। जिसे मौत के कारणों का पता चल सके।

क्लब ने किया पौधा रोपण, दिया संदेश

कोटद्वार : इनरव्हील क्लब की ओर से पौधा रोपण कर आमजन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान सदस्यों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया। क्लब के सदस्यों ने रेलवे परिसर के आसपास पचास से अधिक पौधों का रोपण किया। क्लब की अध्यक्ष मोनिका अग्रवाल ने बताया कि बिना पर्यावरण संरक्षण हम धरती पर जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधा रोपण अवश्य करना चाहिए। इस मौके पर शिप्रा अग्रवाल, शिल्पी अग्रवाल, अर्चना भाटिया, सपना अग्रवाल, प्रतिभा गुप्ता, रेनू अग्रवाल, बीना एलावादी, रुचि आदि मौजूद रहे।

महिलाओं को पढ़ाया कानून का पाठ

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पुलिस ने पौड़ी गांव में चौपाल लगाई। इस दौरान पुलिस ने महिलाओं को नए कानूनों और साइबर अपराधों के विषय में जानकारी दी। पुलिस कर्मियों ने आश्वस्त किया कि महिलाओं का उत्पीड़न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होना तय है। बताया कि महिला की सुरक्षा व शिक्षा को लेकर शासन गंभीर है। बेटियों के प्रति सोच बदलने की जरूरत है। महिलाओं को किसी तरह की दिक्कत हो तो तत्काल हेल्पलाइन नंबर का सहारा लें।

महिला हेल्प लाइन प्रभारी महिला उपनिरीक्षक अनीता नेगी ने अपनी टीम के साथ पौड़ी गांव में जाकर महिलाओं को भारतीय न्याय संहिता-2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 तीन नए संशोधित कानूनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

बताया कि नया कानून पीड़ित केंद्रित दृष्टिकोण पर आधारित है। इसमें पीड़ितों की भागीदारी, आसान न्याय प्रक्रिया और पारदर्शिता के प्रवाधान हैं। नए कानून में गैर कानूनी श्रम, बेजुबानों से उपेक्षापूर्ण आचरण के साथ-साथ भूमि अथवा पानी जैसी संपति विवादों में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाएं भी शामिल की गई है।

ग्राम प्रधानों ने एक राज्य, एक पंचायत चुनाव कराने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : प्रधान संगठन कीर्तिनगर की सोमवार को मासिक बैठक आयोजित की गई। बीडीसी हॉल कीर्तिनगर में प्रधान संगठन के अध्यक्ष सुनय कुकशाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में जनप्रतिनिधियों ने सिंचाई, पेयजल सहित अन्य समस्याओं के निस्तारण पर चर्चा की।बैठक में सभी ग्राम प्रधानों ने एक राज्य, एक पंचायत चुनाव कराये जाने की मांग की। प्रधान संगठन कीर्तिनगर के अध्यक्ष सुनय कुकशाल ने बताया कि उत्तराखंड में एक राज्य एक पंचायत चुनाव किए जाने को लेकर लम्बे समय से सभी संघर्षरत हैं। हरिद्वार को छोड़कर शेष 12 जनपदों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव किए जाने प्रस्तावित हैं। कहा कि यदि जल्द से मांग पर कार्यवाही नहीं होती है तो पंचायत जनप्रतिनिधि 15 जुलाई से पंचायतीराज निदेशालय में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने को मजबूर होंगे। कहा कि कीर्तिनगर ब्लाक के सभी गांवों में बंदरो के आतंक से लोग परेशान हैं। बंदरों द्वारा फसलों का अत्यंत नुकसान किया जा रह है, लेकिन वन विभाग द्वारा बंदरों को पकड़ने के लिए कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। जिस कारण किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने वन विभाग से जल्द से जल्द बंदरों से निजात दिलाए जाने की मांग की है।

नगर निगम ने 12 लोगों के काटे चालान

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम श्रीनगर ने सोमवार को नगर क्षेत्र के वीरचन्द्र सिंह गढ़वाली मार्ग, गोला बाजार, अपर बाजार समेत विभिन्न जगहों पर डेंगू से बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान नगर निगम ने गंदगी फैलाने और पॉलीथिन का प्रयोग करने वालों 12 लोगों के चालान काटे, जिसमें से 9 पॉलीथिन का प्रयोग करने और 3 गंदगी फैलाने वालों से एक हजार आठ सौ रुपये का अर्थदंड वसूला गया। साथ ही निगम के कर्मचारियों ने डेंगू से बचाव और रोकथाम की लोगों को जानकारी दी। नगर निगम के वरिष्ठ सफाई निरीक्षक शशि पंवार ने कहा कि निगम द्वारा लोगों को डेंगू से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है।

नरेंद्र चौहान बने रूट नंबर सात के अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सिद्धबली आटो एसोसिएशन रूट नंबर सात के अध्यक्ष पद पर नरेंद्र चौहान ने जीत दर्ज की है। इस दौरान आटो चालकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ विजय जुलूस निकालते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। काशीरामपुर स्थित एक बारातघर में व्यापार संघ के अध्यक्ष प्रवीण भाटिया व सचिव नवीन गोयल की अध्यक्षता में चुनाव करवाए गए। चुनाव में कुल 161 आटो चालकों ने अपने मत का प्रयोग किया, जिसमें नरेंद्र सिंह को 83 व पीतांबर नेगी को 77 मत पड़े। जबकि, एक वोट निरस्त हुआ। इस दौरान नवनियुक्त अध्यक्ष नरेंद्र चौहान ने आटो चालकों के हित में कार्य करने का संकल्प लिया।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, श्रीनगर (गढ़वाल) दूरभाष: 01346-252137,
Email: dgmsri.upcl@yahoo.com कॉरपोरेट आई०डी० संख्या (CIN) U40109UP2001SGC025867/2358

निविदा विस्तारीकरण सूचना दिनांक: 08.07.2024

एतद्द्वारा इस कार्यालय द्वारा प्रकाशित ई–निविदा संख्या–03/2024–25 जिनकी निविदा प्रपत्र ऑफलाइन (कार्यालय में) जमा करने की तिथि 09.07.2024 है एवं ऑनलाइन एवं ऑफलाइन निविदा भाग–1 खुलने की तिथि 10.07.2024 है, को किन्ही अपरिहार्य कारणों से विस्तारित करते हुए क्रमशः निविदा प्रपत्र ऑफलाइन व ऑफलाइन (कार्यालय) में जमा करने की तिथि 18.07.2024 को 12:00 बजे तक एवं ऑनलाइन व ऑफलाइन निविदा भाग–1 खुलने की तिथि 19.07.2024 को 12:00 बजे तक की जाती है। अन्य नियम व शर्तें यथावत् रहेंगी।

पत्रांक: 1077/वि0वि0म0श्री0/टी–9 अधीक्षण अभियन्ता

राष्ट्र हित में बिजली बचावें विद्युत चोरी की सूचना हेतु सतर्कता अधिकारी से फैक्स 0135–2760911 (टोल फ्री नं0 :-1800 419 0405) एवं मोबाइल +91–8958811999 पर एसएम्एस द्वारा रिपोर्ट करें।

महत्वपूर्ण सूचना

मुरादाबाद मंडल के शाहजहाँपुर जं. – लखनऊ एवं रोज़ा – सीतापुर सिटी डबल लाइन सेक्शन एवं रोज़ा स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के चलते प्री–नॉन–इंटरलॉकिंग एवं नॉन–इंटरलॉकिंग कार्य के संबंध में दिनांक 05.07.2024 को विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित सार्वजनिक सूचना में आंशिक संशोधन के साथ निम्नलिखित रेलगाड़ियों के निरस्तीकरण/ मार्ग परिवर्तन/आंशिक निरस्तीकरण/पुनर्निधारण/विनियमन की तिथियों में परिवर्तन किया गया है, जो निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

रेलगाड़ी संख्या एवं नाम	निरस्त करने की तिथि(यां) (प्रारम्भिक स्टेशन से)
22454 मेरठ सिटी – लखनऊ जं. राज्य रानी एक्सप्रेस	03.08.2024 से 06.08.2024
22453 लखनऊ जं. – मेरठ सिटी राज्य रानी एक्सप्रेस	02.08.2024 से 05.08.2024

रेलगाड़ी का मार्ग परिवर्तन

रेलगाड़ी संख्या एवं रेलगाड़ी का नाम	परिवर्तित मार्ग (वाया)	मार्ग परिवर्तन तिथि (यों) (आरंभिक स्टेशन से)
15622 आनन्द विहार टर्मिनल – कामाख्या एक्सप्रेस	रामगंगा–रोज़ा–सीतापुर के बजाय रामगंगा–बरेली सिटी – पीलीभीत जं – सीतापुर	27.07.24 एवं 03.08.2024 के बजाय 26.07.24 एवं 02.08.24

रेलगाड़ियों की बहाली

रेलगाड़ी संख्या एवं नाम	बहाली करने की तिथि(यां) (प्रारम्भिक स्टेशन से)
22454 मेरठ सिटी – लखनऊ जं. राज्य रानी एक्सप्रेस	01.08.2024 एवं 02.08.2024
22453 लखनऊ जं. – मेरठ सिटी राज्य रानी एक्सप्रेस	31.07.2024 से 01.08.2024
14242 सहारनपुर जं. – प्रयागराज संगम नौचंडी एक्सप्रेस हापुड़ – मुरादाबाद – लखनऊ के बजाय वाया हापुड़ – खुर्जा जं. – कानपुर सेंट्रल – लखनऊ के रास्ते मार्ग परिवर्तन के साथ बहाली	23.07.2024 से 04.08.2024
14241 प्रयागराज संगम – सहारनपुर जं. नौचंडी एक्सप्रेस लखनऊ – मुरादाबाद – हापुड़ के बजाय वाया लखनऊ – कानपुर सेंट्रल – खुर्जा जं. – हापुड़ के रास्ते मार्ग परिवर्तन के साथ बहाली	23.07.2024 से 04.08.2024
14242 सहारनपुर जं. – प्रयागराज संगम नौचंडी एक्सप्रेस उचित मार्ग पर	05.08.2024
14241 प्रयागराज संगम – सहारनपुर जं. नौचंडी एक्सप्रेस उचित मार्ग पर	22.07.2024

रेलगाड़ियों का पुनर्निर्धारण

रेलगाड़ी सं. एवं रेलगाड़ी का नाम	पुनर्निर्धारण रेलगाड़ियाँ (आरंभिक स्टेशन)
22454 मेरठ सिटी – लखनऊ जं. राज्य रानी एक्सप्रेस	रेलगाड़ी दिनांक 01.08.2024 को मेरठ सिटी से 06:40 बजे के स्थान पर 08:55 बजे (135 मिनट की देरी से) प्रस्थान करेगी।
22454 मेरठ सिटी – लखनऊ जं. राज्य रानी एक्सप्रेस	रेलगाड़ी दिनांक 02.08.2024 को मेरठ सिटी से 06:40 बजे के स्थान पर 09:40 बजे (180 मिनट की देरी से) प्रस्थान करेगी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर संपर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

आज़ादी का अमृत महोत्सव | उत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा में | हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें | पर हमें फॉलो करें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अदालती सूचना

न्यायालय मोटर ऐक्सीडेन्ट क्लेम्स ट्रिब्यूनल कोटद्वार गढ़वाल।

मोटर दुर्घटना वाद संख्या 44 सन् 2023

अनंव नेगी - प्रार्थी

बनाम

रिलायन्स जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड तथा अन्य – विपक्षीगण

समन बनाम- श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री भोपाल सिंह, निवासी नयागांव, बलभद्रपुर, नजदीक कैमिकल फैक्ट्री, कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल। (मालिक मोटर साईकिल संख्या यू0के0 18बी0-4867)

चूंकि प्रार्थी ने एक प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 166/140एम0 वी0 एक्ट 1988 के तहद वास्ते क्षतिपूर्ति चाहने बावत मेरे न्यायालय में प्रस्तुत किया है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि दिनांक 27/07/2024 को बवक्त 10 बजे दिन स्थान कोटद्वार में मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा जरिये अधिवक्ता हाजिर आकर जवाबदेही प्रार्थनापत्र करें। अन्यथा मामले में एकपक्षीय कार्यवाही की जायेगी।

मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत के आज दिनांक 03/07/2024 को जारी किया गया।

न्यायालय मोटर दुर्घटना न्यायाधिकरण कोटद्वार गढ़वाल।

एक नजर

डीएम को बताई पानी की समस्या

नई टिहरी : जाखणीधार ब्लॉक के अंजनीसैंण के जगदीश प्रसाद और दिनेश सिंह ने डीएम मयूर दीक्षित को पानी की समस्या बताई। बताया कि वो लोग पानी के लिए परेशान हैं। पर्याप्त आपूर्ति नहीं होने के कारण वह अपने कनेक्शनों को विभाग की मदद से स्थानांतरित करवाना चाह रहे हैं। लेकिन सम्बंधित विभाग के स्थानीय कर्मचारी कनेक्शन न तो स्थानांतरित कर रहे हैं और न ही पेयजल किल्लत को दूर कर रहे हैं। (एजेंसी)

स्वास्थ्य कैंप में 100 लोगों ने कराई जांच

नई टिहरी : अखिल भारतीय सामाजिक स्वायत संगठन, कोलकाता के मेडिकल सर्विस सेंटर की ओर देवप्रयाग संगम स्थित ओएनएस स्कूल में स्वास्थ्य कैंप लगाया गया। आयोजित शिविर में चिकित्सकों ने सौ से अधिक लोगों की जांच की। जिसमें अधिकांश लोग रक्तचाप, मधुमेह, जोड़ और बदन दर्द से पीड़ित मिले। सभी को उपचार के बाद निःशुल्क दवा दी गयी। केदारनाथ आपदा के बाद से संगठन द्वारा हर वर्ष प्रदेश में निःशुल्क मेडिकल कैंप लगाए जाते हैं। शिविर में सेनि. सीएमओ नासिक डॉ. तरुण मंडल, हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. अंशुमान मिश्रा, डॉ. सुभ्राता राय, डॉ. फ्रोजा, डॉ. गुरुप्रीत सिंह, मनोचिकित्सक डॉ. नरेश, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. अरुणेश ने रोगियों की जांच कर उपचार किया गया।

आंगनबाड़ी केंद्र शिफ्ट करने की मांग

नई टिहरी : ब्लॉक थौलधार के ग्राम पलास के प्रधान सुमेर सिंह ने आंगनबाड़ी केंद्र डोबरा को अस्थाई रूप से लोक निर्माण विभाग के डोबरा भवन में स्थानांतरित करने की मांग की। डीएम मयूर दीक्षित को लिखे पत्र में प्रधान ने बताया कि ग्राम पंचायत पलास के तहत आंगनबाड़ी केंद्र डोबरा यहां पर अवस्थित डोबरा-चांठी पुल के निकट है। यहां पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डोबरा का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसके चलते केंद्र के भवन की दीवार पर मलबा आने से बच्चों को खतरा बना है। बारिश के कारण खतरे की बढ़ने की संभावना है। इसलिए सुरक्षा के दृष्टिगत आंगनबाड़ी केंद्र को अस्थाई रूप से लोनिवि के डोबरा स्थित भवन में स्थानांतरित किया जाय। (एजेंसी)

लसेर बाजार में पेयजल की किल्लत

नई टिहरी : तहसील गजा के लसेर बाजार में पेयजल किल्लत बनी हुई है। जिसकी शिकायत स्थानीय लोगों ने डीएम मयूर दीक्षित से की है। सोमवार को लसेर के स्थानीय ग्रामीणों ने डीएम दीक्षित को शिकायती पत्र सौंपते हुए कहा कि लसेर बाजार में काफी दिनों से पेयजल की किल्लत बनी हुई है। जिसका कारण पेयजल लाइन का किसी कारण बंद होना है। विभाग को कई बार लाइन ठीक करने को कहा गया है, लेकिन विभाग के कानों में जूं नहीं रेंग रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पेयजल लाइन चोक होने के कारण पानी नहीं आ रहा है। कई बार विभाग को बताने के बाद भी पानी नहीं मिल पा रहा है।

चुनाव प्रचार थमने से पहले नगर में रैली निकाली

चमोली : बदरीनाथ विधानसभा उप चुनाव प्रचार थमने से पहले सोमवार को नगर पालिका जोशीमठ के मुख्य बाजार में भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की रैली निकालकर व्यापारियों से भाजपा प्रत्याशी को वोट देने की अपील की।

भाजपा ने अपने कार्यालय से राइंका तिराहे तक रैली निकाली। पूर्व पालिकाध्यक्ष ऋषि सती और रोहणी रावत के नेतृत्व में बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने मुख्य बाजार में हर दुकान में जाकर व्यापारियों से बीजेपी को जिताने की अपील की।

रैली में विधायक अनिल नौटियाल, ऋषि सती, रोहणी रावत, शैलेन्द्र पंवार अंशुल भुजवाण, लक्ष्मण फरकिया, नितिन व्यास, अखिलेश भुजवांण, विजय कपरवांण, सुमेधा भट्ट, सुखदेव महिपाल, महावीर बिष्ट, नितेश चौहान, अनिता भुजवांण, हरिश भंडारी, प्रदीप भट्ट आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

विभाग पौध रोपण तक ही सीमित न रहें

नई टिहरी : सोमवार को डीएम मयूर दीक्षित ने हरेला पर्व की तैयारियों को लेकर बैठक ली। बैठक में डीएम ने कहा कि विभाग पौध रोपण तक ही सीमित न रहें, बल्कि रोपित पौधों के पोषण की भी तैयारी करें, ताकि रोपित पोधे वृक्ष बनकर लाभान्वित कर सकें। पौधों को ट्रीगार्ड के साथ लगाने के निर्देश भी दिये। (एजेंसी)

श्री केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर रोपे जाएंगे बांस-पीपल के पौधे

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर हरेला कार्यक्रम के तहत विशेष पौधा रोपण किया जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने डंपिंग जोन एवं क्रैश बैरियर के निचले हिस्सों में संभावित स्थानों पर बांस, पीपल, अशोक सहित अन्य पौधे रोपे जाएंगे।

यात्रा मार्ग का सौंदर्यीकरण होने के साथ ही सुरक्षा के लिहाज से सोनप्रयाग तक सड़क किनारे पौधा रोपण का लक्ष्य हरेला के अंतर्गत रखा गया है। वहीं पैदल यात्रा मार्ग पर वन विभाग लिंचोली में बुरांश सहित अन्य जंगली पेड़ों की वाटिका तैयार करेगा।

सोमवार को विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती की अध्यक्षता में हरेला पर्व एवं 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की रणनीति तैयार की गई। इस दौरान वन विभाग, उद्यान, कृषि विभाग सहित संबंधित विभागों ने हरेला पर्व के दौरान पौधा रोपण को लेकर अपने लक्ष्य पेश किए। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने कहा कि हरेला पर्व सहित मानसून अवधि में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पूरी रणनीति के साथ पौधा रोपण किया जाना चाहिए। अभियान के तहत हरेला के दौरान दो लाख से अधिक पौधों का रोपण किया जाएगा। इसके लिए सभी विभाग वन विभाग, उद्यान, कृषि विभाग से संपर्क साध लें। केदारनाथ हाईवे पर सुरक्षा एवं सुंदरता की दृष्टि से बांस, पीपल एवं अन्य ऐसे पौधे रोपे जाएं जिनसे भूस्खलन एवं भू-क्षरण से राहत मिले। भविष्य में यह पेड़ बड़े होने पर दुर्घटना रोकथाम में भी सहायक साबित होंगे। उन्होंने केवल पौधा रोपण तक सीमित न रहने एवं पौधों की देखभाल करने के निर्देश भी संबंधित विभागों को दिए। वहीं मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी को जनपद के सभी स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों में मोरिंगा एवं अन्य पौष्टिक व आयुर्वेदिक पौधे रोपने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, परियोजना निदेशक विमल कुमार, उप जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग आशीष घिल्डियाल, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेन्द्र बिष्ट, मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र सिंह बिष्ट, जिला उद्यान अधिकारी योगेंद्र चैधरी, उप प्रभागीय वन अधिकारी देवेंद्र पुंडीर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

शिक्षकों ने काउंसलिंग निरस्त न करने पर दी आंदोलन की चेतावनी

रूद्रप्रयाग : प्राथमिक शिक्षक संघ ने जनपद में शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर की जा रही काउंसलिंग का विरोध किया है। संघ ने स्थानांतरण समिति प्रारम्भिक शिक्षा के अध्यक्ष और सचिव को ज्ञापन भेजा है। जिसमें उन्होंने पांच सूत्रीय मांगों पर कार्यवाही करने को कहा है। साथ ही कहा कि शिक्षक हित में यदि शीघ्र उक्त काउंसलिंग को निरस्त नहीं किया गया तो शिक्षक आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। स्थानांतरण समिति के पदाधिकारियों को भेजे ज्ञापन में प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष विक्रम सिंह झिक्वाण, जिला मंत्री दिनेश चन्द्र भट्ट एवं कोषाध्यक्ष रघुवीर बुटोला ने कहा कि जनपद में 7 जुलाई को संपंन हुई काउंसलिंग को निरस्त किया जाए। साथ ही अधिनियम और शासनादेशों के अनुरूप स्थानांतरण करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शिक्षा मंत्री द्वारा शिक्षकों की बहुप्रतिक्षित मांग के अनुरूप स्थानान्तरणों में पारदर्शिता के लिए काउंसलिंग का शासनादेश जारी हुआ। जिसमें काउंसलिंग के माध्यम से स्थानांतरण प्रक्रिया को संपंन करने को कहा गया। किंतु स्थानान्तरण अधिनियम की सुसंगत धाराओं की गलत व्याख्या करते हुए अधिनियम का मजाक उड़ाया गया है। शिक्षकों को प्रत्येक श्रेणी के स्थानान्तरणों में अपने गृह विकासखण्ड से बाहर पदस्थापना का नियम अपनी मनमर्जी से थोपा गया है। अनुरोध के आधार पर स्थानान्तरण की श्रेणी में सुसंगत धाराओं में आवेदन होने के बाद पद रिक्त होने पर भी रिक्त पद के प्रति शतप्रतिशत शिक्षकों को इसका लाभ नही दिया गया। शिक्षकों के साथ बहुत ही अनुचित व्यवहार कर गलत नियम थोपते हुए स्थानान्तरण त्यागने पर मजबूर किया गया है। प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षक हित में उक्त काउंसलिंग को निरस्त करते हुए नये सिरे से समय रहते फिर से काउंसलिंग करते हुए पात्र शिक्षकों को स्थानान्तरण का अधिक से अधिक लाभ दिया जाए।

परिवहन विभाग की नई तबादला नीति के खिलाफ कर्मचारियों ने मोर्चा खोला

देहरादून। सोमवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष अरुण पांडे के नेतृत्व में परिवहन विभाग के प्रवर्तन कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों ने सचिवालय में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी से मुलाकात की। उन्होंने मुख्य सचिव से अनुरोध किया कि वो परिवहन मुख्यालय से भेजे गए नई नीति के प्रस्ताव को किसी सूरत में मंजूरी नहीं दें। प्रवर्तन कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार बहुगुणा, परिवहन कर अधिकारी संगठन के प्रदेश महामंत्री अनिल नेगी ने कहा कि राज्य में वर्ष 2017-18 से तबादला कानून ऐक्ट लागू है। यह सभी विभागों पर एक समान रूप से लागू है। लेकिन विभाग केवल 200 कर्मचारियों के लिए अलग से तबादला नीति तैयार कर रहा है। यह बेहद अजीबोगरीब स्थिति है। नई नीति के बाबत शासन को भेजे गए प्रस्ताव कई विसंगतियां भी हैं। इससे प्रतीत हो रहा है कि केवल फील्ड कर्मचारियों को परेशान करने के लिए नई नीति बनाई जा रही है। संयुक्त परिषद अध्यक्ष पांडे ने कहा कि विभागीय अधिकारियों के इस प्रस्ताव की वजह से कर्मचारियों में भय और रोष का माहौल है। यदि नई नीति को जबरन थोपा गया तो उसका विरोध किया जाएगा। मुख्य सचिव ने कर्मचारियों को नियमानुसार उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। कहा कि भविष्य में होने वाली बैठक में उनकी आपत्ति का भी प्रमुखता से संज्ञान लिया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में परिवहन कर अधिकारी संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नन्दन आर्य , कोषाध्यक्ष महिपाल दत्त पपनोई , संगठन मंत्री जितेंद्र बिष्ट, जगदीश चंद्र, संयुक्त मंत्री गोविंद सिंह, प्रवर्तन कर्मचारी संगठन के महामंत्री महेंद्र सिंह बोरा, उपाध्यक्ष नीरज कुमार, कोषाध्यक्ष दीपक कुमार, बारूमल आदि शामिल रहे।

डेंगू के रोकथाम की जिम्मेदारी नगर निगम के सफाई इंस्पेक्टरों को सौंपी

देहरादून। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शहर में डेंगू के रोकथाम की जिम्मेदारी निगम के आठ सफाई इंस्पेक्टरों को सौंपी है। इसके अलावा उन्होंने सोमवार को अभियान की समीक्षा के दौरान शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि डेंगू का लार्वा नष्ट करने के लिए निगम की टीमों को सहयोग करें।

सभी गाइडलाइन का पालन करें। अधिकारी ने समस्त सफाई इंस्पेक्टरों को आशा वर्करों के साथ समन्वय स्थापित कर वार्डों में घरों, सरकारी निजी कार्यालयों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों, निजी व सरकारी स्कूलों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। डेंगू का लार्वा मिलने पर प्रति घर पहले दौ सौ, दोबरा मिलने पर पांच सौ रुपये और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से पहले पांच सौ रुपये और दोबारा लार्वा मिलने पर दो हजार रुपये का चालान करने को कहा।

जन संवाद कार्यक्रम में 13 शिकायतें दर्ज, 7 का निराकरण

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जन संवाद/जनता मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 13 शिकायतें दर्ज की गई। जिसमें पेयजल, सड़क, विद्युत, शिक्षा आदि समस्या दर्ज की गई, जिसमें 07 शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष शिकायतों का निस्तारण करने के लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में ग्राम प्रधान बक्सीर पिंकी देवी ने प्राथमिक विद्यालय में रिक्त अध्यापक के पद पर तैनाती करने व जीर्ण-शीर्ण किचन की स्थिति को दुरस्त करने की मांग की। उत्तर्सू गांव के कुलदीप सिंह ने गांव के विकास कार्यों में हुए घोटाले व भ्रष्टाचार की जांच की मांग की। ममणी गांव के भगत सिंह ने ग्राम पंचायत के अंतर्गत पेयजल संकट की समस्या का निदान करने के संबंध में प्रार्थना-पत्र दिया। लदोली के मस्तान लाल ने मकान के आगे का पुस्ता लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई जा रही सड़क द्वारा क्षतिग्रस्त होने, महड़ निवासी ठेकेदार मानवेंद्र सिंह ने वित्तीय वर्ष 2019-20 की विधायक निधि के अंतर्गत जागतोली में खेल मैदान में किए गए निर्माण कार्यों का भुगतान अब तक न होने की शिकायत दर्ज कराई। वहीं शिक्षा विभाग, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों से विभिन्न कार्यों का भुगतान लंबे समय से बिना किसी कारण रोके रखने की शिकायत की। इस तरह आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में कुल 13 शिकायतें दर्ज की गई, जिनमें 07 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

बद्रीनाथ विधानसभा के दूरस्थ बूथों की 17 पोलिंग पार्टियां हुई रवाना

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : बद्रीनाथ विधानसभा उप चुनाव के लिए दूरस्थ मतदेय स्थलों की 17 पोलिंग पार्टियों को मतदान दिवस के दो दिन पूर्व 08 जुलाई को चुनाव सामग्री के साथ उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया। बद्रीनाथ विधानसभा में कुल 210 मतदेय स्थल बनाए गए है। जिसमें से 17 पोलिंग पार्टियां दो दिन पूर्व रवाना किया जा चुका है, जबकि 193 पोलिंग पार्टियों को मंगलवार को रवाना किया जाएगा। उप चुनाव के तहत 10 जुलाई, 2024 को मतदान होना है। पोलिंग पार्टियों की रवानगी के दौरान सामान्य प्रेक्षक अनीता रामाचन्द्रन, जिला निर्वाचन अधिकारी हिमांशु खुराना, अपर जिला निर्वाचन अधिकारी अभिनव शाह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक प्रकाश, सहायक रिटर्निंग अधिकारी आरके पांडेय एवं अन्य नोडल अधिकारी मौजूद थे। दूरस्थ मतदेय स्थल जिनके लिए दो दिन पूर्व पोलिंग पार्टियों रवाना हुई, उनमें 36-मोल्टा, 43-जखोला, 44-किमाणा, 45-डुमक, 46-कलगोठ, 56-नीती, 59-गमशाली, 60-कैलाशपुर, 61-जेलम, 62-कोषा, 63-जुम्मा, 64-द्रोणागिरी, 65-मलारी, 132-ईराणी, 133-झींझी, 137-गौणा और 138-पाणा शामिल है।

मसूरी में साइकिल रिक्शा मजदूरों को मिले ई-रिक्शा

देहरादून। मसूरी मजदूर संघ ने साइकिल रिक्शा की जगह ई-रिक्शा देने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री कार्यालय से इसके आदेश हो गए थे, पर इन पर आज तक अमल नहीं हो पाया है। सामाजिक कार्यकर्ता मनीष गौनियाल के नेतृत्व में मजदूर संघ ने ज्ञापन देते हुए कहा कि संघ ई रिक्शा संचालन के लिए तैयार है।

जिलाधिकारी से मांग की गई कि मसूरी में साइकिल रिक्शा के स्थान पर ई रिक्शा का संचालन किया जाय व जो मजदूर ई रिक्शा नहीं चलाना चाहते उनका पुनर्वास किया जाय। ज्ञापन देने वालों में सामाजिक कार्यकर्ता मनीष गौनियाल, मजदूर संघ अध्यक्ष रणजीत चौहान, महामंत्री संजय टम्टा, विरेंद्र सिह, खिमानंद नौटियाल, महावीर सिंह पंवार, मोहन सिंह कठैत, महावीर सिंह कैतुरा आदि शामिल थे।

महाराज ने केदारनाथ विधायक का जाना हालचाल

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज और पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अमृता रावत ने सोमवारन को मैक्स अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती केदारनाथ विधायक शैला रानी रावत से भेंट कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने भगवान बद्री विशाल और बाबा केदार से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना की।

डीएम ने जनता मिलन में सुनी समस्याएं, 35 का किया निराकरण

नई टिहरी : सोमवार को डीएम मयूर दीक्षित ने जनता मिलन कार्यक्रम में दर्ज 35 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया। मौके पर संबंधित अधिकारियों को समय पर समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिला कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में दिनेश सिंह रावत ने दिखोलगांव पट्टी मनियार टिहरी में सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि पर किसी अन्य द्वारा अतिक्रमण किये जाने से रास्ता बन्द होने की शिकायत की। जिस पर डीएम ने तहसीलदार टिहरी को जांच के निर्देश दिये। नवाघर पट्टी सारज्यूला निवासी मातवर सिंह पंवार ने डांडा मोटर मार्ग पर कच्ची सड़क के ऊपर नारदाने के पानी से मकान को नुकसान बताते हुए निकासी की उचित व्यवस्था करवाने की मांग की। जिस पर ईई लोक लोनिवि चम्बा को जांच कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। सिरोला पट्टी मलेथा निवासी शिब्बी लाल ने लोनिवि कीर्तिनगर द्वारा प्रार्थी के नाप खेत को अधिग्रहित करने का दवाब बनाये जाने की शिकायत की। जिस पर ईई लोनिवि कीर्तिनगर को जांच कर यथोचित कार्यवाही करने को कहा। ग्राम देवरी तल्ली चम्बा निवासी बालेन्दु भूषण उनियाल ने पटवारी क्षेत्र चम्बा के भरता का खाला नामे तोक में अपनी पुश्तैनी भूमि का मौका मुआयना कर उसे किसान बही में दर्ज कराने की मांग की। जिस पर एसडीएम टिहरी को जांच कराने के निर्देश दिये गये। विकास खण्ड थौलधार के ग्राम प्रधान घोन ने पनियार खाल गदेरे में आपदा से क्षतिग्रस्त पुलिया निर्माण की मांग की गई। जिस पर डीएम ने डीडीओ मनरेगा से नियमानुसार प्रस्तावित करने को कहा।

राज्य आंदोलनकारी सरकारी सेवाओं में आरक्षण को लेकर मुखर

देहरादून। शहीद स्मारक देहरादून में पूर्व घोषित कार्यक्रमानुसार राज्य आंदोलनकारियों ने राज्याधीन सेवाओं में दस प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की मांग को लेकर प्रेसवार्ता का आयोजन किया।

इस वार्ता में आंदोलनकारियों ने इस बात पर आश्चर्य जताया कि प्रचंड बहुमत की सरकार द्वारा निर्मित और उत्तराखंड विधानसभा द्वारा एकमत से पारित विधेयक पांच माह से राजभवन में लम्बित क्यों है। सरकारी सेवाओं में दस फीसदी आरक्षण पर फैसला न होने पर राज्य आंदोलनकारियों ने मुखर होने की चेतावनी दी है। वरिष्ठ आंदोलनकारी ओमी उनियाल ने कहा कि गत 30 जून को सीएम ने आंदोलनकारियों के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया था कि दो-तीन दिन में इस संदर्भ में राज्यपाल से चर्चा करेंगे। आंदोलनकारी उस चर्चा के फलित होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

दून में डीएम की जनसुनवाई में आई जलभराव की समस्याएं

देहरादून। देहरादून में सोमवार को जिलाधिकारी साप्ताहिक जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं को सुन रही हैं।

यहां आज अधिकांश समस्याएं अलग-अलग क्षेत्रों में जलभराव और बारिश की वजह से आ रही मुश्किलों को लेकर आई हैं। कलक्ट्रेट परिसर स्थित ऋषिपर्णा सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी सोनिका ने 11 बजे जनसुनवाई में लोगों की शिकायतों को सुनना शुरू किया। सिर्फ देहरादून शहर ही नहीं बल्कि डोईवाला, ऋषिकेश, विकासनगर से भी लोग यहां अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे हैं। खासतौर पर बरसात की वजह से जगह-जगह जलभराव और भूमि कटाव रोकने को लेकर लोग डीएम से मिल रहे हैं।

इसके अलावा चकराता क्षेत्र में बंद पड़ी सड़कों को खुलवाने को लेकर भी लोगों ने डीएम के जनसुनवाई कार्यक्रम में शिकायत की है। इसके अलावा जमीनों से जुड़े विवाद की भी कई शिकायतें यहां डीएम के सामने आई हैं। जिलाधिकारी सोनिका ने सभी अफसरों को जनता से जुड़ी समस्याओं का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं।

रीजनल पार्टी आमजन की समस्या को मुद्दा बनाएगी

देहरादून। राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी आगामी निकाय चुनावों में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महिला अपराध, नशाखोरी, भू-कानून, मूलनिवास-1950 आदि को मुद्दा बनाएगी। देहरादून में हरिद्वार रोड स्थित पार्टी कार्यालय में सोमवार को हुई बैठक में चुनावों को लेकर विचार विमर्श किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव प्रसाद सेमवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार के कई आश्वासनों के बावजूद अभी तक भू-कानून, मूल निवास और राज्य आंदोलनकारियों के मुद्दों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसको लेकर प्रदेशव्यापी अभियान चलाए जाने की जरूरत है। प्रदेश संगठन सचिव सुलोचना ईष्टवाल ने कहा कि आगामी निकाय चुनाव में पार्टी इन्हीं मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शैलबाला ममगाईं ने कहा कि यह राज्य महिलाओं के संघर्ष के बदौलत बना है। इन समस्याओं को दूर करने के लिए भी महिलाओं को ही आगे आना होगा। इस दौरान शशि रावत को बालावाला, सावित्री रावत को देहरादून वार्ड नंबर 64, बीना डिमरी को गुमानीवाला से वार्ड का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। मौके पर उपेंद्र सकलानी, बलवीर सिंह नेगी, गुलाब सिंह रावत, मनोरमा चमोली, दयाराम मनोरी, सुशीला पटवाल, जगदंबा बिष्ट, संजय डोभाल, प्रमोद डोभाल, विनोद कोठियाल, राजेंद्र गुसाईं आदि मौजूद थे।

दो आरोपी स्मैक तस्करी में गिरफ्तार

देहरादून। 273.94 ग्राम स्मैक के साथ देहरादून पुलिस ने दो आरोपी गिरफ्तार किए हैं। दोनों बरेली के तस्करों के स्मैक लाकर यहां नशे के आदी युवाओं को महंगे दाम पर बेच रहे थे। आरोपियों से पुलिस को कई अन्य नशा तस्करों की जानकारी भी मिली है। एक आरोपी सेलाकुई थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि सेलाकुई थाना पुलिस रविवार रात राजा रोड पर मजार के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान वाजिद उम्र 45 वर्ष निवासी खुजनावर थाना फतेहपुर, जिला सहारनपुर यूपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी सेलाकुई इंडस्ट्रीयल एरिया में मजदूरी करता है। बरेली निवासी अपने रिश्तेदार इंतजार से स्मैक खरीदकर लाया और उसे यहां शैक्षिक संस्थानों में पढ़ने वाले युवाओं को महंगे दाम पर बेचने लगा।

बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग अवरूद्ध

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर हनुमान चट्टी के पास घुडसिल में एक एक्सावेटर मशीन के ऊपर पहाड़ी से भारी बोल्डर गिरने से मार्ग अवरुद्ध हो गया। जोशीमठ तहसील प्रशासन की ओर से यहां दोनों ओर फंसे तीर्थ यात्रियों को पानी, बिस्कुट, नमकीन, शीतल पेय और जरूरी राहत सामग्री बांटने के साथ मार्ग को सुचारू किया जा रहा है। यहां पर वोल्डर से दबी एक्सावेटर मशीन को निकालने और सड़क से वोल्डर हटाने का काम जारी है। जल्द ही मार्ग को यातायात के लिए सुचारू कर लिया जाएगा।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
-सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com